twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 09 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 181, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

भारत-पाक में जंग के हालात

- पाकिस्तान का जम्मू, राजस्थान और पंजाब पर हमला: सुसाइड ड्रोन्स और मिसाइलें दागीं
- S-400 ने सभी को मार गिराया; बॉर्डर इलाकों में ब्लैकआउट
- पाकिस्तान ने की ड्रोन हमले की कोशिश, भारत ने दिया करारा जवाब

भारत ने पाकिस्तान का AWACS विमान मार गिराया, सेना बोली- जम्मू, पठानकोट और उधमपुर के सैन्य स्टेशन सुरक्षित, मार गिराए सभी पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल

नई दिल्ली

पाकिस्तान ने बुधवार रात देश के कई राज्यों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। भारतीय एयर डिफेंस ने सभी मिसाइल और ड्रोन को धवस्त कर दिया है। पाकिस्तान के नापाक हमलों का भारत जबरदस्त जवाब दे रहा है। भारत ने लाहौर पर कई मिसाइलें दागी। वहीं, पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो चुका है।इसी बीच भारत ने जवाबी हमला करते हुए पाकिस्तान पर कई मिसाइलें दाग दी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से बातचीत की। इस बीच, सूत्रों के हवाले से बताया कि शाम को पाकिस्तान वायु सेना के एक एफ-16 सुपरसोनिक लड़ाकू विमान को भारतीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली ने मार गिराया। सूत्रों के अनुसार, एफ-16 ने सरगोधा एयर बेस से उड़ान भरी थी और उसके पास ही उसे मार गिराया गया।

भारत ने हार्पी ड्रोन्स से पाकिस्तान के रडार सिस्टम को किया तबाह

पाकिस्तान के हमले की कोशिश को नाकाम करने के बाद भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के रडार सिस्टम को निशाना बनाया और लाहौर स्थित रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। भारत ने हार्पी ड्रोन्स की मदद से पाकिस्तानी रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हार्पी ड्रोन्स को इस्राइल की कंपनी इस्राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित किया गया है। यह उन्नत श्रेणी का लोइटरिंग म्युनिशन सिस्टम है, जो हवा में मंडराते हुए दुश्मन पर नजर रखता है और इशारा मिलते ही उसे तबाह कर देता है। हार्पी ड्रोन्स की खासियत ये है कि इसे निगरानी के साथ ही हमले के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दुश्मन की वायु सुरक्षा प्रणाली को तबाह करने में इस ड्रोन का लोहा दुनिया मानती है।

यह ड्रोन 9 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और एक हजार किलोमीटर तक की रेंज में हमला कर सकता है। इस खासियत की वजह से यह ड्रोन दुश्मन देश में काफी भीतर तक हमला करने में सक्षम है। यह ड्रोन इलेक्ट्रो ऑप्टिकल, इंफ्रारेड और फारवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सेंसर्स से लैस है। इस ड्रोन में निगरानी के लिए सीसीडी कैमरा भी लगा है और यह रडार को चकमा देने में सक्षम है। जम्मू को निशाना बनाकर पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमले को गुरुवार रात भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया। ड्रोन और मिसाइलों से किए गए हमले के प्रयास ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के कई इलाकों में ब्लैकआउट और सायरन बजा दिया गया। अधिकारियों ने लोगों से घर के अंदर रहने और सतर्क रहने का आग्रह किया।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायु रक्षा ने जम्मू हवाई अड्डे के पास लॉन्च किए गए कई ड्रोन को बेअसर कर दिया, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

राजस्थान के फलोदी में हालात गंभीर, प्रशासन ने एयरबेस की सुरक्षा के लिए किए खास इंतजाम फलोदी प्रशासन ने स्थानीय एयरबेस पर सीमा पार से हमले की संभावनाओं के बीच किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। सभी अस्पतालों को निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने, पानी और ईंधन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। दुकानों और होटलों को रात 10 बजे तक बंद करने का आदेश दिया गया है।

जिला कलेक्टर हरजी लाल अटल ने आम जनता से सरकारी आदेशों का समर्थन करने की अपील की है। सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं और उन्हें वापस ड्यूटी पर बुला लिया गया है। अटल के अनुसार, जिले के 26 अस्पतालों में करीब 450 बेड आरक्षित करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, "इसके अलावा, जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त स्टॉक सुरक्षित करने, आईसीयू तैयार रखने, एम्बुलेंस और ऑक्सीजन सिलेंडर तैयार रखने और जिला मुख्यालय पर तैनात रहने के निर्देश के साथ सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने के प्रावधान किए गए हैं।

अस्पतालों को बिजली बैकअप के लिए जनरेटर तैयार रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।" बता दें कि फलौदी और बाप में लगभग 25 भवनों तथा आईजीएनपी परिसर में कई भवनों में आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं।

पाकिस्तान का फिदायीन हमला भी नाकाम

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच जंग जैसे हालात हो गए हैं। पाकिस्तान की ओर से लगातार हमला किया जा रहा है, जिसे भारतीय सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान ने गुजरात पर ड्रोन हमले की कोशिश की लेकिन वो भी विफल रहा। वहीं, पाकिस्तान ने हमले के तौर पर आतंकियों के स्लीपर सेल एक्टिवेट किए। इनके द्वारा राजौरी में फि दायीन हमला किया गया लेकिन वो फिर नाकाम रहा। इस बीच भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। भारत की ओर से सियालकोट पर मिसाइल से हमला किया गया। लाहौर में भी ड्रोन से हमला किया गया है।

भारत ने इंटरसेप्ट की आठ मिसाइलें

- पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के सतवारी, सांबा, आरएसपुरा और अरनिया सेक्टर में हमले की कोशिश की।
- भारतीय एयर डिफेंस यूनिट ने पाकिस्तान की ओर से दागी गईं सभी आठ मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर दिया।

सीमा से लेकर एयरपोर्ट तक हाई अलर्ट

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अर्धसैनिक बलों के सभी महानिदेशकों (डीजी) के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें भारत की सीमाओं और प्रमुख प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से पाकिस्तान की ओर से बढ़ती गतिविधियों, घुसपैठ की आशंकाओं और सीमावर्ती इलाकों में उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा हुई। गृहमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक को निर्देश दिए कि सीमाओं पर हाई अलर्ट घोषित किया जाए और निगरानी व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त किया जाए।

सेना ने मारे 100 से अधिक पाकिस्तानी आतंकी: राजनाथ

नई दिल्ली: ऑपरेशन सिंदूर के बाद संसद में हुई सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू- कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर जो हमले किए, उसमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को भरोसा दिलाया कि अगर पाकिस्तान भारत में हमले करता है तो देश की सेना मुंहतोड़ जवाब देगी।

ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है

सर्वदलीय बैठक में मौजूद एक सूत्र ने बताया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सटीक अनुमान लगाना कठिन है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। सरकार विवरण जमा कर रही है। अगर पाकिस्तान हमला करता है तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा।

बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि सभी नेताओं ने परिपक्वता दिखाई और किसी तरह की नोंकझोंक नहीं की।

भारत की प्रतिक्रिया लक्षित थी: जयशंकर

नई दिल्ली:

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ भारत-ईरान संयुक्त आयोग की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सख्त रवैया दिखाते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत को सीमा पार आतंकी ढांचे पर हमला करके जवाब देना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया लक्षित और सटीक थी, और स्थिति को और बिगाड़ने का उद्देश्य नहीं था। साथ ही जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर भारत पर सैन्य हमला होता है, तो भारत और भी मजबूती से जवाब देगा। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ स्थिति को बढ़ाने का इरादा नहीं रखता है, लेकिन अगर देश पर सैन्य हमले होते हैं, तो इसे "बहुत कड़े" जवाब से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि 7 मई को पहलगाम हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवादियों के ढांचे पर लक्षित और मापी गई कार्रवाई की। जयशंकर ने कहा कि यह हमला हमें 7 मई को सीमा पार आतंकवादी ढांचे पर हमले के लिए मजबूर कर दिया। हमारा जवाब लक्षित और मापी गया था।

पहलगाम आतंकी हमला ही था असल उकसावा: भारत

नई दिल्ली: भारत ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान लगातार पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रम पर झूठ बोल रहा है। भारत स्पष्ट करना चाहता है कि पहलगाम ही पहले उकसावे की घटना थी। इसी के जवाब में भारत ने आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक और संयमित कार्रवाई की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में एक स्पेशल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने केवल आतंकी ढांचे को निशाना बनाया है। अगर पाकिस्तान आगे कोई हमला करता है तो जवाबी कार्रवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमला एक सोची-समझी उकसावे की कार्रवाई थी, जिसमें लश्कर ए तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े द रजिस्टेंस फ्रंट की भूमिका सामने आई है। हालांकि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के पहलगाम हमले पर जारी होने वाले बयान से इस संगठन का नाम हटवाया, जबकि संगठन ने शुरूआत में अपनी भूमिका स्वीकार की थी। विदेश सचिव मिस्री ने पाकिस्तान की ओर से पूरे घटनाक्रम पर फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम से जुड़े दावों को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमले के बाद से ही निष्पक्ष जांच कराए जाने की बात करता आ रहा है, लेकिन मुंबई और पठानकोट जैसे आतंकी हमलों पर ठोस सबूत देने के बावजूद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पाकिस्तान के भारत के हमले में निर्दोष नागरिकों के मारे जाने के दावे का उन्होंने खंडन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है जहां आतंकियों को शहीद बताकर महिमामंडित किया जा रहा है। वहीं कल पाकिस्तान ने भारत के निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया।

कल के सीमापार से किए गए हमले में 16 भारतीय नागरिकों की जान गई है जिसमें 5 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी धार्मिक स्थल पर नहीं, बल्कि आतंकवाद की पनाहगाह पर कार्रवाई की थी।

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में गुरुद्वारे पर हमला किया

पाकिस्तान द्वारा जिस मस्जिद को निशाना बनाने की बात कही जा रही है, वह एक आतंकी प्रशिक्षण केंद्र था। दूसरी ओर कल पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में गुरुद्वारे पर हमला किया। इससे उसकी नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने सिंधु जल संधि का भी उल्लेख किया और इसपर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा हमले के बाद नहीं उपजा है। भारत ने बीते दो वर्षों से संधि के नियम और शर्तों के अनुरुप पुनःवार्ता (री-नेगोसिएशन) के लिए नोटिस दिया है। छह दशकों यहां तक कि युद्धकाल में भी भारत ने इस संधि का सम्मान किया।

भारत ने ड्रोनों से लाहौर में पाक एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह किया

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किये जाने के बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी करके सीमावर्ती भारतीय इलाकों को निशाना बनाए जाने के साथ पाकिस्तानी सेना ने बुधवार की रात भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे सतर्क भारतीय बलों ने नाकाम कर दिया। जवाब में भारत ने सुबह

लाहौर से रावलपिंडी तक 15 पाकिस्तानी शहरों को इजराइली ड्रोनों से निशाना बनाया। इस दौरान भारत ने कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को लक्ष्य पर रखकर लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 सैलानियों में विधवा हुई महिलाओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मंगलवार की आधी रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारत ने बिना सीमा पार किए हैमर, स्कल्प मिसाइलों से पाकिस्तान और पीओके के नौ आतंकी शिविरों पर हमला करके जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकानों को तबाह कर दिया।पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी है। भारतीय सेना ने एलओसी पर पाकिस्तानी गोलीबारी का सटीक जवाब दिया है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण पुंछ सेक्टर में सीमावर्ती गांवों के सोलह भारतीय निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच यूएस सक्रिय

नई दिल्ली/वाशिंगटन

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर से फोन पर बात कर क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई और स्थिति को तत्काल शांत करने की आवश्यकता पर बल दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, "रूबियो ने विदेश मंत्री जयशंकर के साथ बातचीत में भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी और

रचनात्मक संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय वार्ता के लिए समर्थन और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया।" रूबियो ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को भीषण करार देते हुए पीड़ितों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच रक्षा सहयोग, रणनीतिक साझेदारी, और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि वह क्षेत्र में शांति बनाए रखने के हर प्रयास में भारत के साथ है।

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय बैठक

रक्षा मंत्री बोले- ऑपरेशन अभी भी जारी, विपक्ष ने दिया समर्थन

● कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है।

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार को संसद एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के खिलाफ चल रहा ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हुई एयर स्ट्राइक के बाद भी अभियान रोका नहीं गया है। करीब डेढ़ घंटे तक चली इस बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दलों के प्रमुख नेता मौजूद रहे।

बैठक के बाद रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराते हुए कहा कि सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार है। बैठक से पहले कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी की मांग की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार के कदमों की इस वक्त आलोचना का समय नहीं है। उन्होंने कहा, 'देश संकट में है, हम सरकार के साथ हैं।' वहीं राहुल गांधी ने भी इस बात को दोहराते हुए कहा, 'हमने सरकार को पूरा समर्थन दिया है। सरकार ने कुछ विषयों पर खुली चर्चा नहीं की, लेकिन हम उनके निर्णय के साथ हैं।' असदुद्दीन ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवादी संगठन [illegible] के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जाना चाहिए। इससे पहले 24 अप्रैल को भी संसद एनेक्सी में एक सर्वदलीय बैठक हुई थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जानकारी दी गई थी। उस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय घोड़ेवाले की मौत हो गई थी। उस बैठक में सरकार ने माना था कि सुरक्षा में चूक हुई है।

किरेन रिजिजू ने बताया था कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने विपक्षी नेताओं को पूरी जानकारी दी थी। बैठक के बाद खड़गे ने कहा था कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी जरूरी थी, क्योंकि अंतिम निर्णय वही लेते हैं। उन्होंने सवाल उठाया था कि थ्री-टियर सिक्योरिटी के बावजूद इतना बड़ा हमला कैसे हुआ? यह साफ तौर पर इंटेलिजेंस और सुरक्षा व्यवस्था की विफलता है। हालांकि सभी दलों ने इस बात पर सहमति जताई कि देशहित में सरकार जो भी निर्णय लेगी, विपक्ष उसके साथ खड़ा रहेगा।

हिन्द-प्रशांत में साझा रसद क्षमता मजबूत बनाने के लिए क्वाड का टेबलटॉप अभ्यास

नई दिल्ली। क्वाड हिन्द-प्रशांत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क (आईपीएलएन) के माध्यम से क्षेत्र में साझा लॉजिस्टिक्स क्षमता को सशक्त करने के मकसद से क्वाड देशों - ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका -ने हवाई द्वीप समूह के होनोलुलु में पांच दिवसीय टेबलटॉप अभ्यास आयोजित किया। होनोलुलु के एशिया-प्रशांत सुरक्षा अध्ययन केंद्र में यह टेबलटॉप अभ्यास 28 अप्रैल से 2 मई तक आयोजित किया गया था। आईपीएलएन एक पहल है जो क्वाड भागीदारों को हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में साझा रसद क्षमताओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है ताकि पूरे क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं के लिए नागरिक प्रतिक्रिया का समर्थन अधिक तेजी से और कुशलता से किया जा सके। समुद्री मुद्दों पर जागरूकता को लेकर हिन्द प्रशांत साझीदारी के साथ, आईपीएलएन एक स्वतंत्र और खुले हिन्द प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए क्वाड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने के मूल्य पर प्रकाश डालता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷भारत-प्रशांत क्षेत्र में नागरिक आपदा प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए साझा रसद क्षमताओं का लाभ उठाने के क्वाड के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने 28 अप्रैल से 2 मई 2025 तक हवाई में टेबलटॉप अभ्यास (टीटीएक्स) का आयोजन किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 430 उड़ानें हुई रद्द

● 10 मई तक बंद रहेंगे 27 एयरपोर्ट्स

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' सफलतापूर्वक किए जाने के बाद गुरुवार को करीब 430 नागरिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। यह देश की कुल शेड्यूल उड़ानों का करीब 3 प्रतिशत है। इसके साथ ही 27 एयरपोर्ट्स 10 मई तक बंद रहेंगे। फ्लाइटराडर24 प्लेटफॉर्म के फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पाकिस्तान और भारत के पश्चिमी गलियारे का एयरस्पेस का ज्यादातर हिस्सा नागरिक विमानों से फ्री था। फ्लाइट को ट्रैक करने वाले पोर्टल के मुताबिक, पाकिस्तान के ऊपर हवाई क्षेत्र और जम्मू-कश्मीर एवं गुजरात के बीच भारत के पश्चिमी क्षेत्र में नागरिक हवाई यातायात नहीं था। इसकी वजह एयरलाइनों द्वारा संवेदनशील क्षेत्र से दूरी बनाए रखना है। जिन एयरपोर्ट्स को बंद रखा गया है, उनमें श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, हलवारा, पठानकोट, भुंतर, शिमला, गग्गल, धर्मशाला, किशनगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, मुंद्रा, जामनगर, राजकोट, पोरबंदर, कांडला, केशोद, भुज, ग्वालियर और हिंडन शामिल हैं।बुधवार को 300 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया था। इस दौरान उत्तर और पश्चिमी भारत के 21 एयरपोर्ट्स बंद थे। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसके संपर्क केंद्रों पर वर्तमान में बहुत अधिक कॉल आ रही हैं। एयरलाइन ने कहा, 'हमारे सभी प्रतिनिधि सक्रिय रूप से ग्राहकों की सहायता कर रहे हैं, कुछ मामलों में संपर्क होने में अपेक्षा से अधिक समय लग सकता है। कृपया निश्चिंत रहें, हम आपकी सहायता के लिए यहां हैं। एयरलाइन ने कहा, 'जिन ग्राहकों की उड़ानें वर्तमान व्यवधानों से प्रभावित हैं, उनके लिए एयर इंडिया कैसिंलेशन पर फुल रिफंड और रीशेड्यूलिंग पर वन-टाइम छूट की पेशकश कर रही है। यह 10 मई, 2025 तक प्रभावित उड़ानों पर बुक की गई टिकटों के लिए मान्य है।' एयर इंडिया ने कहा कि हम हमारे सैन्य और रक्षा कर्मियों की निस्वार्थ सेवा और समर्पण के लिए आभारी है।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक स्थगित, अब नहीं आएंगे अमित शाह

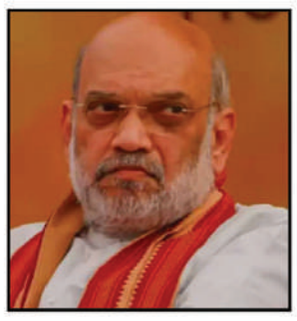

रांची। राजधानी रांची में प्रस्तावित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक को स्थगित कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसकी सूचना संबंधित राज्यों को भेज दी है। इस कारण अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रांची नहीं आएंगे। राज्य के एक वरीय अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गृह मंत्री 9 मई को रांची आने वाले थे और 10 मई को होने वाली बैठक में भाग लेने वाले थे। इस बैठक में बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और झारखंड के मुख्यमंत्रियों को भाग लेना था। आशंका जताई जा रही है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति को देखते हुए परिषद की इस बैठक को स्थगित किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय बैठक सकारात्मक, मूल्यवान सुझावों पर गंभीरता से किया जाएगा विचार : किरेन रिजिजू

'हम एकजुट हैं और सेना की हर कार्रवाई में साथ देंगे'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की कार्रवाई के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अध्यक्षता की और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी सभी दलों के नेताओं के साथ साझा की। बैठक में सभी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार और सेना के इस कदम का समर्थन किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'आज सर्वदलीय बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बहुत अच्छे से हुई है। गंभीर विषय था इसलिए सभी ने गंभीरता से अपने बात रखी। सबसे पहले रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी ने अपना मत रखा और सुझाव भी दिए। सभी नेताओं ने सेनाओं को बधाई भी दी। कहा कि हम एकजुट हैं और सेना की हर कार्रवाई में साथ देंगे। मैं सभी नेताओं को धन्यवाद करता हूं और ये सकारात्मक बैठक थी' रिजिजू ने फेक न्यूज के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा, 'कई फेक न्यूज फैलाई जा रही हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि केवल प्रामाणिक सूचनाओं पर भरोसा करें और असत्यापित खबरों से बचें।'उन्होंने नेताओं द्वारा दिए गए सुझावों को मूल्यवान बताया और कहा कि सरकार इन पर विचार करेगी।

लांस नायक दिनेश कुमार गोलीबारी में शहीद

चंडीगढ़। जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की तरफ की जा रही गोलीबारी में सेना के लांस नायक दिनेश कुमार शहीद हो गए है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री दिनेश कुमार के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा, एलओसी पर पाकिस्तान की तरफ से लगातार हो रही गोलीबारी के कारण हरियाणा के पलवल ज़िले का बहादुर जवान लांस नायक दिनेश कुमार देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए है।

भारत को छेड़ने वाले लोगों को छोड़ेंगे नहीं, आतंकियों का सफाया करके ही सांस लेंगे : शिवराज सिंह चौहान

● 'हमारी बेटियों की इज्जत को तार-तार करने वालों का सफाया हो चुका है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत किसी को नहीं छेड़ता है, अगर कोई हमें छेड़े तो उसे हम छोड़ते नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'हम सबका कल्याण चाहते हैं और इसलिए हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि कोई हमें छेड़ता है तो उसे हम नहीं छोड़ते। यह अद्भुत देश है। एक साथ कई मोर्चों पर काम चल रहा है। भारत अब दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।' केंद्रीय कृषि मंत्री ने नई दिल्ली स्थित पूसा में आयोजित कृषि आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के आतंकवाद विरोधी अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एक तरफ आईपीएल भी चल रहा है, तो दूसरी तरफ आतंकवादियों के सफाए का महाअभियान चल रहा है। हमारी बेटियों की इज्जत को तार-तार करने वालों का सफाया हो चुका है। इन आतंकवादियों और उनके ठिकानों, उन्हें समर्थन देने वालों का सफाया हो चुका है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा यही संकल्प है कि आतंकवादियों को जड़ से मिटाकर ही सांस लेंगे।' केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'विकास कोई साधारण कार्य नहीं है, यह वास्तव में असाधारण है। हालांकि, मैं इस क्षेत्र में परियोजनाओं और विकास के बारे में अभी विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन मैं इतना कहूंगा कि हमारा देश, भारत, 5,000 वर्षों से अधिक पुराने ज्ञात इतिहास वाला एक प्राचीन और महान राष्ट्र है।' 6-7 मई की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) के प्रमुख जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि इन हवाई हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए हैं। ये हमले पीओके और पंजाब प्रांत के उन इलाकों में हुए जहां भारत के अनुसार आतंकियों के ठिकाने थे। इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी सरकारी अस्पतालों को तैयार रहने को कहा गया है, देश की हवाई सीमाएं 24 से 36 घंटे के लिए बंद कर दी गई हैं, इस्लामाबाद और पंजाब के सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है।

छेड़ने वालों को मांद में घुसकर मारता है नया भारत : सीएम योगी आदित्यनाथ

भारत की ताकत की झलक पूरी दुनिया ने देखी और आगे भी देखेगी: योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई को विकसित भारत की झलक बताते हुए कहा कि विकसित भारत किसी को छेड़ता नहीं है। अनावश्यक किसी के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करता है, लेकिन अगर कोई हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करके हमारे नागरिकों की सुरक्षा में सेंध लगाता है तो नया भारत उसको छोड़ता भी नहीं है। उसकी मांद में घुसकर मारता है। कल इस भारत की ताकत का एहसास पूरी दुनिया ने किया है और आने वाले समय में भी दुनिया इसका एहसास करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 494 सहायक अध्यापक तथा 49 प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि दुनिया बदल चुकी है। हमें उसके साथ अपने आप को लेकर चलना होगा। अगर हम उसके साथ चलेंगे, आज की आवश्यकता के अनुरूप अपने युवाओं को तैयार करेंगे तो हमारी प्रासंगिकता बनी रहेगी। अगर हम कहीं भी चूके तो उसका खामियाजा सिर्फ हमारी वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं भुगतना पड़ेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ी भी कभी हमें माफ नहीं करेगी। हमें वर्तमान के अभियान का हिस्सा बन करके मजबूती के साथ एक विकसित भारत की आधारशिला अपने विद्यालयों से रखनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन की जो प्रक्रिया संपन्न हुई है, इसमें किसी भी स्तर पर सिफारिश करने की जरूरत नहीं पड़ी होगी। चयन की पूरी प्रक्रिया में, उसकी निष्पक्षता में, उसकी पारिदर्शिता में किसी भी प्रकार का कोई प्रश्न खड़ा नहीं हुआ। जिस निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आपका चयन हुआ है, उसी प्रकार शासन भी आपसे अपेक्षा करता है कि ऐसे ही माध्यमिक शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने के लिए आपका भी योगदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 8 वर्ष में 8 लाख से अधिक नौजवानों को प्रदेश की विभिन्न सेवाओं में सरकारी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अकेले माध्यमिक शिक्षा में यह संख्या 40 हजार तक पहुंच रही है। पिछले कुछ समय में हमने आठ हजार से अधिक शिक्षक माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हुए राजकीय इंटर कॉलेज में चयनित किए हैं। इससे पहले बेसिक शिक्षा परिषद में भी प्रदेश सरकार ने लगभग 1,23,000 से अधिक शिक्षकों की सफलतापूर्वक भर्ती के कार्यक्रम को आगे बढ़ा करके शिक्षकों की कमी को पूरा किया था।

भारतीय सेना ने मां-बहनों के सिंदूर की लाज रखी : गिरिराज सिंह

पटना। भारतीय सेना की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरा देश गर्व कर रहा है। क्या आम और क्या खाश सभी पाकिस्तान पर हुई इस कार्रवाई की प्रसंशा पर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी सेना के पराक्रम को सलाम किया है। गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि सेना ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सेना ने मां-बहनों के सिंदूर की लाज रखी है। उन्होंने कहा कि आतंकियों द्वारा किए गए कायराना हमले का जिस तरह से जवाब दिया गया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में कांग्रेस को दिख रहा धर्म, ऐसे बयान गिराते हैं सेना का मनोबल : शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज के 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम पर आपत्ति को भाजपा ने अफसोसनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उदित राज के बयान पर सवाल उठाते हुए इसे सशस्त्र बलों का मनोबल गिराने वाला बताया। कांग्रेस नेता उदित राज के 'ऑपरेशन सिंदूर' वाले बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बयान जारी करते हुए कहा, कांग्रेस कब तक वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रीय हितों से ऊपर रखेगी? इससे पहले चन्नी ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए थे और सबूत मांगे थे। अजय राय ने खिलौना विमान दिखाकर वायुसेना और राफेल जेट का मजाक उड़ाया था। कांग्रेस नेताओं की ओर से सशस्त्र बलों का मनोबल गिराने वाले बयान बार-बार दिए गए हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करते हुए आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया है। ऐसे समय में कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह धर्मनिरपेक्ष नाम नहीं है और एक विशेष धर्म से जुड़ा है।

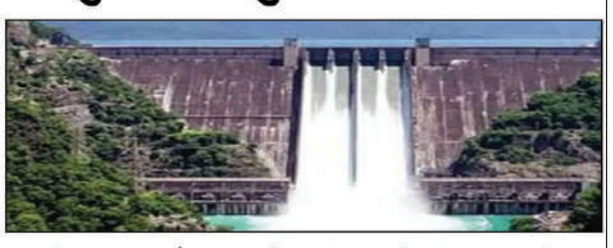

तेलंगाना के मुलुगु में माओवादियों की आईईडी विस्फोट में ग्रे हाउंडस के तीन जवान बलिदानी हुए

वारंगल। तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षाबलों की माओवादियों के साथ चल रही मुठभेड़ और सर्चिंग अभियान के क्रम में गुरुवार को दुखद घटना सामने आई। आज सुबह मुलुगु जिले के वाजेडु मंडल के घने जंगल में हुए आईईडी विस्फोट में ग्रे हाउंडस के तीन जवान बलिदानी हो गए। अभी इनके नाम नही पता चल सके हैं। पुलिस के अनुसार इलाके में माओवादियों के आने की खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने आज सुबह से ही तलाशी अभियान शुरू किया था। इस दौरान माओवादियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से ग्रे हाउंडस के कुछ जवान चपेट में आ गए। इनमें से तीन जवान बलिदानी हो गए जबकि कुछ जवान घायल हो गए। माओवादियों से हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी भी हुई है। इसमें माओवादियों को बड़ा नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार माओवादियों ने हमले की यह योजना बहुत सोच-समझकर बनाई थी, इसलिए उन्होंने पुलिस के जवानों का ध्यान भटकाने को बारूदी सुरंग की ओर मोड़ दिया और कुछ ही सेकेंड में उसमें विस्फोट कर दिया। इस विस्फोट में ग्रे हाउंडस के तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही वे बलिदानी हो गए। अभी इन तीन ग्रे हाउंडस जवानों का नाम नही मालूम हो सका है।

पानी विवादः लोगों ने बीबीएमबी के अध्यक्ष को बंधक बनाया, पुलिस ने सुरक्षित निकाला

नंगल । पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे जल विवाद के मध्य पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पंजाब सरकार को केंद्र के आदेश मानने को कहने के बाद स्थिति उस समय तनाव पूर्ण हो गयी, जब पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और उनके समर्थकों ने गुरुवार को भाखड़ा व्यास प्रबंधक बोर्ड (बीबीएमबी) के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी को बंधक बना लिया। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच श्री त्रिपाठी को बाहर निकाल कर चंडीगढ़ के लिए रवाना कर दिया है। पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे जल विवाद के बीच पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार को केंद्र के आदेश मानने को कहा था। इसके बाद गुरुवार सुबह बीबीएमबी के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी भाखड़ा डैम के लिए अपनी टीम के साथ रवाना हुए। वह हरियाणा को अतिरिक्त पानी दिलाने के लिए भाखड़ा के गेट खुलवाने के लिए पहुंच थे। इस बात की भनक लगते ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी भाखड़ा डैम के लिए रवाना हो गये हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर उदित राज और पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर भड़के शाहनवाज हुसैन, कांग्रेस से पूछ डाले कई सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस नेताओं के विवादित टिप्पणियों पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर सवाल उठाए और नसीहत दी कि जब पूरा देश एकजुट हो तो ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। शाहनवाज हुसैन ने कहा, ÷कांग्रेस को क्या हो गया है? उनके नेता ऐसी बयानबाजी करके क्या साबित करना चाहते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने हमारी माताओं और बहनों का सिंदूर नहीं उजाड़ा? ऑपरेशन सिंदूर चलाकर भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों तबाह किया और पहलगाम का बदला लिया। लेकिन, भारतीय सेना के शौर्य पर भी कांग्रेस सवाल उठाने लगी है। दरअसल, महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि केंद्र सरकार इसका भावनात्मक लाभ ले रही है, वहीं, दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने कहा कि बेहतर होता कि ऑपरेशन सिंदूर की जगह कोई और नाम दिया जाता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सुझाव दे सकती थी। कांग्रेस अपनी सरकार में सभी चीजों का नाम तो गांधी के नाम पर ही रखती थी। लेकिन, अब सेना के शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर पर गलत बयानबाजी कर रही है। कांग्रेस एक जुबान नहीं बोल रही है। जब देश एकजुट है तो पार्टी को अलग होने की जरूरत नहीं है।

केजरीवाल के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली । दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत अन्य के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के एक पुराने मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से ताजा स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह आदेश मामले की आगे की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि चुनावी प्रचार के दौरान दीवारों पर पोस्टर और बैनर लगाकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। इस मामले की सुनवाई राउज एवेन्यू कोर्ट में चल रही है, जहां अदालत ने जांच अधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर की गई सीडी (जिसमें कथित सबूत मौजूद हैं) और मूल शिकायत की प्रति शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराएं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की निष्पक्ष जांच और आगे की सुनवाई के लिए यह आवश्यक है कि शिकायतकर्ता के पास सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध हों। कोर्ट ने यह भी बताया कि शिकायतकर्ता के पास उन फोटोग्राफ्स की प्रतियां नहीं हैं जो कथित रूप से अपराध से संबंधित हैं, इसलिए जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह सभी आवश्यक डिजिटल और लिखित सबूत शिकायतकर्ता को सौंपे।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुए है। इस बीच पूर्व निर्धारित बैठक में हिस्सा लेने ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची नई दिल्ली पहुंच गए हैं। वो 20वीं भारत-ईरान संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची का भारत दौरा रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से है। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश भारत-ईरान मैत्रीसंधि की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची का स्वागत किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत-ईरान संयुक्त आयोग की बैठक के लिए नई दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भारत-ईरान मैत्री संधि की 75वीं वर्षगांठ पर यह द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने का अवसर है।

चुनाव आयोग ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने में बड़ी उपलब्धि अर्जित की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने अब तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रक्षेत्र स्तरीय चुनाव कार्यकर्ताओं को तमिल भाषा में प्रशिक्षण देने का एक और अभूतपूर्व कदम उठाया है। दिल्ली के भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित इस मिश्रित-बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम में 264 बीएलओ पर्यवेक्षकों, 14 ईआरओ, 2 डीईओ और अन्य अधिकारियों सहित 293 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बीएलओ के साथ भारत के निर्वाचन आयोग का यह पहला परस्पर संयोजन है और सही तथा अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही, पिछले कुछ हफ्तों के दौरान आईआईआईडीईएम में आयोजित किए जा रहे गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लगभग 2,300 प्रतिभागियों को लाभ हुआ है।

अमित शाह ने सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में पाकिस्तान और नेपाल से सटे सीमावर्ती राज्यों के उपराज्यपालों और मुख्यमंत्रियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उपराज्यपाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और सिक्किम सरकार के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश इस आतंकी हमले

के गुनहगारों और आतंकवाद के समर्थकों को कड़ा जवाब देगा। गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की सीमा, सेना और नागरिकों की ओर आंख उठाने वालों को भारत का मुंहतोड़ जवाब है। बैठक में मौजूद सभी मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री और तीनों सेनाओं का अभिनंदन किया।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज किए बिना ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इसका उचित जवाब दिया है जिससे पूरी दुनिया को कड़ा संदेश गया। विशेष इनपुट के बाद आतंकी शिविरों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर पूरी दुनिया के सामने मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है। इस समय देश ने जो एकता दिखाई है, उससे देशवासियों का मनोबल बढ़ा है। अमित शाह ने कहा कि 6-7 मई की दरम्यानी रात को भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों से जुड़े नौ विशिष्ट ठिकानों पर हमला किया और उनके बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और अन्य आतंकवादी संगठनों के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर, हथियार ठिकाने और कैंपों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। गृहमंत्री ने कहा कि सभी राज्य मॉक ड्रिल के लिए जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अपनी तैयारियां करें।

पहलगाम हमला- एनआईए नहीं चाहती छूटे कोई सुराग, फोटो-वीडियो साझा करने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में पर्यटकों, आगंतुकों और स्थानीय लोगों से फोटो, वीडियो समेत अन्य जानकारी साझा करने की अपील की है। एनआईए का मानना है कि ये जानकारियां हमलावरों की पहचान और उनके तरीकों को समझने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

एनआईए पर हमले की जांच का प्रभार है। हमले की जांच के लिए एनआईए की टीमें पहलगाम में डेरा डाले हुए हैं। इस जघन्य अपराध के गवाहों से पूछताछ कर रही हैं। एजेंसी किसी भी तरह के सुराग को छोड़ना नहीं चाहती। इससे साजिश को उजागर करने में उसे मदद मिलेगी। 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। एजेंसी पहले से प्राप्त तस्वीरों और वीडियो की जांच कर रही है। अब एजेंसी सुनिश्चित करना चाहती है कि इस जघन्य अपराध की जांच में कोई भी उपयोगी जानकारी या सबूत छूट न जाए। एनआईए ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल के जरिए लोगों से मोबाइल नंबर 9654958816 और लैंडलाइन नंबर -01124368800 पर एजेंसी को कॉल करने, इनपुट साझा करने और विवरण देने का आग्रह किया है।

देश के मुस्लिम संगठनों ने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर सरकार और सेना को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न पूरा देश मना रहा है। देश के मुसलमान भी इस ऑपरेशन को लेकर खुशी का इजहार रहे हैं। देश के मुस्लिम संगठनों ने इस ऑपरेशन की कामयाबी पर सरकार और सेना को बधाई दी है। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना के जरिए किया गया है, जिसमें पाक अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकवादी शिविर को नष्ट किया गया है और बड़ी संख्या में आतंकवादियों के मारे जाने की भी खबरें मिली हैं। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की सैन्य कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जमीअत देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर सकती। यदि पाकिस्तान की ओर से कोई युद्ध थोपने की कोशिश की जाती है, तो हम स्पष्ट और दो टूक शब्दों में यह ऐलान करते हैं कि पूरा देश, सभी धर्मों के लोग और विशेष रूप से मुसलमान, अपनी सेना के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। भारत हमारा वतन है, इसकी रक्षा करना हमारी राष्ट्रीय और संवैधानिक जिम्मेदारी है। हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वह दुश्मन की हर आक्रामक कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दे। हम दुश्मनों को यह स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि भारत एकजुट राष्ट्र की तरह हर कीमत पर अपने वतन की रक्षा करेगा।जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हू सैनी ने कहा कि हमारा मत है कि आतंकवाद एक गंभीर खतरा और मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है। देश और इसके लोगों की सुरक्षा, संरक्षा और शांति के लिए इसका समूल नष्ट होना अत्यंत आवश्यक है। आतंकवाद के खिलाफ देश की सशस्त्र सेनाओं और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई को देशभर के सभी धर्मों और समुदायों का सम्पूर्ण समर्थन मिल रहा है। पूरा भारत एकजुट होकर हमारी सेनाओं के साथ खड़ा हैं। रजा एकेडमी के अध्यक्ष अल्हाज सईद नूरी ने भारतीय सेना के इस बदले की कारवाई पर खुशी का इजहार करते हुए कहा है कि हिंदुस्तान खुशी से झूम उठा और पर्यटकों पर हुए हमले का बदला लेने की खुशी में मिठाइयाँ बाँटी गईं। रज़ा अकैडमी ने सेना प्रमुख समेत जवानों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाकर ही दम लेंगे, पूरा हिंदुस्तान आपकी हिम्मत, जज़्बे और बहादुरी को सलाम करता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पाकिस्तानी झूठ बेनकाब, केन्द्र ने बताया इसे भ्रामक प्रचार

एजेंसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पाकिस्तान का प्रोपेगेंडा तंत्र सक्रिय हो गया है। रात भारत द्वारा चलाए गए निर्णायक सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान ने एक संगठित और उग्र भ्रामक प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। फेक खबरों को खारिज करते हुए केन्द्र सरकार ने इसे एक हताश प्रयास बताया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जानकारी दी कि पाकिस्तान की तरफ से फैलाया जा रहा झूठ ध्यान भटकाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। एक ओर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया यह अभियान सटीक और प्रभावी रहा, दूसरी ओर पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया अकाउंट्स और यहां तक कि कुछ प्रमुख राजनीतिक हस्तियां भी जानबूझकर झूठी खबरें फैला रही हैं, बनावटी सैन्य जीत और काल्पनिक जवाबी कार्रवाई की कहानियां गढ़ी जा रही हैं, जिनका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। पीआईबी फैक्ट चेक ने वायरल पुरानी तस्वीरें, जिसमें दावा किया गया कि पाकिस्तान की सेना ने बहावलपुर के पास एक भारतीय राफेल विमान को मार गिराया का हवाला देते हुए खारिज कर दिया। पीआईबी फैक्ट चेक ने पुष्टि की कि यह तस्वीर दरअसल 2021 में पंजाब के मोगा में हुए एक मिग-21 दुर्घटना की है। इसका मौजूदा घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं है। इसके साथ झूठा दावा एक वीडियो के रूप में सामने आया, जिसमें यह ग़लत तरीके से दावा किया गया कि भारतीय सेना ने चोरा पोस्ट पर सफेद झंडा उठाकर आत्मसमर्पण कर दिया। इस झूठे और मनगढ़ंत नैरेटिव को पाकिस्तान के मंत्री अत्ता उल्ला तारड़ ने न केवल समर्थन दिया बल्कि बिना किसी सबूत के सार्वजनिक रूप से इस दावे की पुष्टि भी की। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह स्पष्ट रूप से झूठी और अप्रमाणित कहानी को आधिकारिक समर्थन देकर, तारड़ ने न केवल अपने नागरिकों को गुमराह किया, बल्कि इस प्रोपेगेंडा अभियान को सक्रिय रूप से बढ़ावा भी दिया। एक और भ्रामक पोस्ट में एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें दावा किया गया कि पाकिस्तान एयरफोर्स ने श्रीनगर एयरबेस को निशाना बनाया। लेकिन सच्चाई यह है कि यह वीडियो 2024 की शुरुआत में खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान में हुए सांप्रदायिक झड़पों का है। इस वीडियो का कश्मीर या किसी हालिया एयरस्ट्राइक से कोई लेना-देना नहीं है। एक अलग अफवाह में यह भी दावा किया गया कि पाकिस्तान ने भारतीय ब्रिगेड मुख्यालय को नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान का झूठ बेनकाब :गुजरांवाला में भारतीय ड्रोन गिराने का दावा फर्जी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा भारतीय ड्रोन को गुजरांवाला में गिराने का दावा पूरी तरह से झूठा साबित हुआ है। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) फैक्ट चेक ने इस दावे को खारिज करते हुए खुलासा किया कि पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स द्वारा शेयर की जा रही तस्वीर 2022 की यूक्रेन-रूस युद्ध की है। पाकिस्तानी अकाउंट्स ने दावा किया था कि पाक सेना ने गुजरात के डिंगा गांव झंड पीर के पास एक भारतीय मानव रहित विमान (यूएवी) को गिरा दिया। हालांकि, पीआईबी ने अपनी जांच में पाया कि यह तस्वीर पुरानी है और इसका भारत-पाकिस्तान से कोई संबंध नहीं है। पीआईबी ने एक न्यूज रिपोर्ट का हवाला देते हुए इसकी पुष्टि की, जिसमें यह तस्वीर 2022 में यूक्रेन-रूस संघर्ष के दौरान प्रकाशित हुई थी।पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स पोस्ट पर लिखा, ÷क्या यह भारतीय ड्रोन वास्तव में पाकिस्तान में इंटरसेप्ट किया गया? पाकिस्तान आधारित सोशल मीडिया हैंडल्स एक पुरानी तस्वीर साझा कर रहे

हैं, जिसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान सेना ने गुजरांवाला, पाकिस्तान में एक यूएवी ड्रोन को इंटरसेप्ट किया है। वायरल हो रही तस्वीर वर्ष 2022 के यूक्रेन-रूस संघर्ष से संबंधित है। पीआईबी ने 2022 की एक समाचार रिपोर्ट का लिंक भी पोस्ट में दिया है जो स्पष्ट करती है कि ये तस्वीर यूक्रेन-रूस युद्ध से संबंधित है, न कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष से। ज्ञात हो कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के सफल आतंकवाद विरोधी हमलों के मद्देनजर, पाकिस्तान सरकार से जुड़े कई मीडिया आउटलेट और सोशल मीडिया अकाउंट्स को ऑपरेशन से जुड़े तथ्यों को विकृत करने के स्पष्ट प्रयास में भ्रामक और मनगढ़ंत कंटेंट प्रसारित करते हुए बेनकाब किया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें काफी लोग हताहत हुए। यह ऑपरेशन सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई का एक महत्वपूर्ण क्षण था। हमलों के बाद, पाकिस्तान की ओर से सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों की बाढ़ सी आ गई। इसमें पाकिस्तानी मीडिया हाउस और संबद्ध हैंडल शामिल रहे, जिन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर असत्यापित और झूठी कहानियां गढ़ीं। ऐसे ही एक झूठे दावे में बताया गया कि पाकिस्तान ने अमृतसर में एक भारतीय सैन्य अड्डे पर बमबारी की थी। पीआईबी के फैक्ट जांच प्रभाग ने इस गलत सूचना को तुरंत संबोधित किया और अपील की कि असत्यापित जानकारी साझा करने से बचें और सटीक जानकारी के लिए केवल भारत सरकार के आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें।

आईएमए ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई निर्णायक और साहसी कार्रवाई - ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने बधाई दी है। आईएमए ने जारी एक संदेश में कहा कि सेवा, कर्तव्य और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता वाले चिकित्सकों की संस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ी है।

आईएमए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों का मुकाबला करने और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार के दृढ़ दृष्टिकोण की सराहना करती है। आईएमए ने संपूर्ण चिकित्सा बिरादरी की तरफ से देश की सेवा के लिए अपनी सेवाएं देने का भरोसा जताया। सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आईएमए ने सरकार को अपना पूर्ण सहयोग देने का भरोसा देते हुए कहा कि संस्था सशस्त्र बलों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

संस्कृति मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद सोथबी हांगकांग ने स्थगित की पिपरहवा बौद्ध अवशेषों की नीलामी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद सोथबी हांगकांग ने पवित्र पिपरहवा बौद्ध अवशेषों की नीलामी को स्थगित कर दी है। यह नीलामी 07 मई के लिए निर्धारित थी। पिपरहवा अवशेषों में ऐतिहासिक बुद्ध की अस्थियों के टुकड़े, क्रिस्टल के ताबूत, एक बलुआ पत्थर का संदूक और सोने के आभूषण और रत्न शामिल हैं, जिन्हें 1898 में विलियम क्लैक्सटन पेप्पे द्वारा खुदाई करके निकाला गया था। ताबूतों में से एक पर ब्राह्मी लिपि में एक शिलालेख है जो पुष्टि करता है कि ये शाक्य वंश द्वारा जमा किए गए बुद्ध के अवशेष हैं। इनमें से अधिकांश अवशेषों को 1899 में भारतीय संग्रहालय, कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया गया था। भारतीय कानून के तहत 'एए' पुरावशेषों के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसके तहत उन्हें हटाने या बेचने पर रोक है। उल्लेखनीय है कि अस्थि अवशेषों का एक हिस्सा सियाम के राजा को उपहार में दिया गया था, जबकि डब्ल्यू.सी. पेप्पे के परपोते क्रिस पेप्पे द्वारा रखे गए अंतिम संस्कार के कुछ रत्नों को नीलामी के लिए सूचीबद्ध किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में

बताया कि 2 मई को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक ने हांगकांग के महावाणिज्य दूतावास को पत्र लिखकर नीलामी को तत्काल रोकने का अनुरोध किया। उसी दिन एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल सचिव लीसा नंदी के समक्ष इस मामले को उठाया, जिसमें अवशेषों के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व पर जोर दिया गया और तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया गया। 5 मई को संस्कृति मंत्रालय के सचिव ने अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई। उसी दिन सोथबी और क्रिस पेप्पे को नीलामी रोकने की मांग करते हुए एक कानूनी नोटिस जारी किया गया। 5 मई को सोथबी हांगकांग ने ईमेल के माध्यम से कानूनी नोटिस को स्वीकार किया, यह आश्वासन देते हुए कि मामला विचाराधीन है और एक लिखित उत्तर प्रस्तुत किया जाएगा। 6 मई को देर रात सोथबी ने ई-मेल के ज़रिए सूचित किया कि पिपरहवा अवशेषों की नीलामी स्थगित की जा रही है।

भारतीय सेना का ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर बड़ी चोटः नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों का पाकिस्तान के खिलाफ किया गया ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर बड़ी चोट है। भारतीय सेना के इस पराक्रम को आतंकवाद के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और उनके दूरदर्शी संकल्प के लिए सदैव याद किया जाएगा। भाजपा नेता नकवी ने आज उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में पहलगाम हमले के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत के सुरक्षा बलों ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व के संकल्प के साथ जालिमों के जुर्म और दहशतगर्दों की जागीरदारी को नेस्तनाबूद करने का पराक्रम किया है। यह धर्मयुद्ध का मार्ग है। नकवी ने कहा कि आज पाकिस्तान आतंकवाद का टेरिटरी बन गया है। उसके खत्म होने और टुकड़े-टुकड़े होने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकियों और आतंक को पालता-पोसता है। वह दहशतगर्दों की सुरक्षा के लिए इस्लाम को कवच के रूप में इस्तेमाल करता है। यह शैतानी हरकत है। आतंवादियों को इस्लाम की आड़

में सुरक्षा कवच प्रदान करना इंसानियत के खिलाफ है। ऐसा करने वाला समूची इंसानियत का दुश्मन होता है। पाकिस्तान दहशतगर्दी की उपज को अपना राष्ट्रीय एजेंडा मानता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आतंकी आका मुल्क के खिलाफ सारी दुनिया को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। पाकिस्तान का यह चरित्र समूची मानवता के लिए चुनौती है।

भारतीय सेनाओं का 'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान को करारा जवाब : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने कल रात 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च करके आतंकियों को प्रशिक्षण देने वाले शिविरों को तबाह कर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारत ने अपनी सरजमीं पर हुए हमले का जवाब देने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल किया है। हमारी यह कार्रवाई बेहद सोच-समझकर सधे हुए तरीके से की गई है। आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई महज उनके शिविरों और अन्य ढांचों तक ही सीमित रखी गई है। पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को नष्ट किये जाने के बाद रक्षा मंत्री शाम को नई दिल्ली में 66वें बीआरओ दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से 50 प्रमुख बीआरओ परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें 6 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 17 सड़कें, 30 पुल और 3 अन्य कार्य शामिल हैं, जिनका निर्माण 1879 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। आज जम्मू कश्मीर, लद्दाख, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल

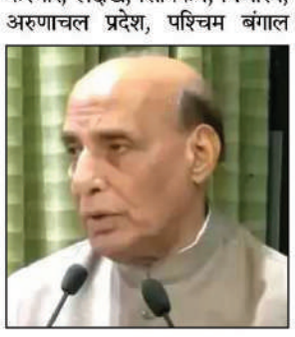

और राजस्थान में कई परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है। हमें जो सड़कें दिखती हैं, जो पुल दिखते हैं, वह सिर्फ दो स्थानों को जोड़ने वाले नहीं होते हैं, बल्कि वह लोगों के दिलों को जोड़ने वाले होते हैं। उन्होंने समारोह में कहा कि सेना ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। हमने जो लक्ष्य तय किये थे, उन्हें ठीक तय योजना के अनुसार सटीकता से ध्वस्त किया है। सेना ने किसी भी नागरिक ठिकाने को जरा भी प्रभावित न होने देने की संवेदनशीलता दिखाई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च करके पहले की तरह ही इस बार भी आतंकियों को प्रशिक्षण देने वाले शिविरों को तबाह करके करारा जवाब दिया है। हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था ''जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे''अर्थात केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में ही बीआरओ का बजट लगभग दोगुना हो गया है, जिससे सीमा पर बुनियादी ढांचों के विकास में रिकॉर्ड तोड़ प्रगति हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में बीआरओ ने 16,600 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय व्यय किया है।

हिंसा के आरोपी आशीष मिश्रा को लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत, सुप्रीम कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में आरोपी आशीष मिश्रा को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में छूट दी है कि आरोपी प्रत्येक रविवार को लखीमपुर खीरी में रुक सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को राहत देते हुए कहा कि वह शनिवार शाम को लखीमपुर खीरी जा सकता है लेकिन तक उसे लखीमपुर खीरी छोड़ना होगा।अदालत ने यह भी कहा कि इस दौरान आशीष मिश्रा किसी सार्वजनिक मीटिंग में भाग नहीं लेगा और न ही किसी राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होगा। आशीष मिश्रा की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दलील दी गई थी कि वह अपनी मां और बच्चों से मिल नहीं पाता है। साथ ही वह अपने बच्चों और परिवार के साथ समय बिताना चाहता है। आशीष मिश्रा के वकील ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के जो आरोपी हैं, उनकी जमानत की शर्तों में ऐसा कुछ नहीं है, जबकि वे जमानत के बाद भी लखीमपुर में रह रहे हैं। इस बीच, यूपी सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि 16 चश्मदीद गवाहों की गवाही हो चुकी है, जबकि कुल 208 गवाह हैं। बता दें कि आरोपी आशीष मिश्रा पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी का बेटा है। दरअसल, साल 2021 में लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के दौरान आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का बेटा आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल जुलाई में पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में दी गई अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदल दिया था। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने आशीष मिश्रा की राष्ट्रीय राजधानी में रहने की जमानत की शर्त में थोड़ी ढील दी थी। उन्होंने इस बात पर विचार करते हुए कहा था कि उसकी मां दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती हैं और उसकी बेटी को भी इलाज की जरूरत है।

संपादक की कलम से

पाकिस्तान को एफएटीएफ ग्रे लिस्ट में वापस लाने की भारतीय रणनीति

एफएटीएफग्रे लिस्ट- जिसे औपचारिक रूप से बढ़ी हुई निगरानी के तहत क्षेत्राधिकार के रूप में जाना जाता है- में पहले 2018 से 2022 तक पाकिस्तान शामिल था, जिससे देश को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण चैनलों पर गहन जांच के अधीन किया गया था। उस चार साल की अवधि में इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत वित्तीय सुधारों को लागू करने के लिए संघर्ष किया, और इसने विदेशी निवेश, ऋण और विकास सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को काफी हद तक बाधित किया। भारत पाकिस्तान के खिलाफ अपने कूटनीतिक हमले को तेज कर रहा है,और अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में इस्लामाबाद को फिर से सूचीबद्ध कराने के लिए प्रयास कर रहा है। ट्रम्प के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन से समर्थन की असामान्य रूप से मजबूत अभिव्यक्ति द्वारा समर्थित यह नया प्रयास, सीमा पार आतंकवाद में अपनी निरंतर मिलीभगत के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने के लिए नयी दिल्ली द्वारा एक रणनीतिक कदम में तेजी को दशार्ता है। एफएटीएफग्रे लिस्ट- जिसे औपचारिक रूप से बढ़ी हुई निगरानी के तहत क्षेत्राधिकार के रूप में जाना जाता है- में पहले 2018 से 2022 तक पाकिस्तान शामिल था, जिससे देश को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण चैनलों पर गहन जांच के अधीन किया गया था। उस चार साल की अवधि में इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत वित्तीय सुधारों को लागू करने के लिए संघर्ष किया, और इसने विदेशी निवेश, ऋण और विकास सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को काफी हद तक बाधित किया।

2022 में डीलिस्टिंग इस दक्षिण एशियाई राष्ट्र के लिए एक कूटनीतिक और आर्थिक सफलता थी, जिसने पाकिस्तान की पहले से ही लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को जीवन रेखा प्रदान की और वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ नये सिरे से जुड़ाव को सक्षम किया। भारत अब उस लाभ को उलटने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को एफएटीएफ के निशाने पर वापस लाने का प्रयास तेज हो गया। हालांकि इस्लामाबाद ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने एफएटीएफ के प्रमुख सदस्य देशों को नयी खुफिया जानकारी दी है, जिसमें वित्तीय बहाव का विवरण शामिल है जो कथित तौर पर हमले के अपराधियों को पाकिस्तान स्थित फंड प्रदाता संस्थानों से जोड़ता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, डोजियर में सैटेलाइट इमेजरी, इंटरसेप्ट किये गये संचार और लेन-देन रिकॉर्ड शामिल हैं जो जम्मू और कश्मीर में चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े धन के सीमा पार प्रवाह का संकेत देते हैं। उद्देश्य स्पष्ट हैः यह प्रदर्शित करना कि पाकिस्तान आतंकवाद वित्तपोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहा है, और इस प्रकार एफएटीएफ की बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था में पाकिस्तान की वापसी को उचित ठहराया जा सकता है।

नये भू-राजनीतिक गठबंधनों के कारण इस प्रयास में तेजी आने की संभावना है। दक्षिण एशिया पर हाल ही में अमेरिका की अस्पष्टता से उल्लेखनीय रूप से हटकर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहलगाम की घटना के बाद भारत के 'सभी रूपों में आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने' के अधिकार का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है।

पेरिस में एफएटीएफ मुख्यालय में भारत की वर्तमान पैरवी कथित तौर पर फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका के समन्वय में की जा रही है- वे देश जिन्होंने पहले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण सुधारों के आधे-अधूरे कार्यान्वयन पर निराशा व्यक्त की थी। कहा जाता है कि भारतीय राजनयिक यह मामला बना रहे हैं कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण गतिविधियों को सक्षम करने या अनदेखा करने की स्पष्ट पुनरावृत्ति न केवल एक क्षेत्रीय खतरा है, बल्कि एक वैश्विक खतरा भी है, विशेष रूप से अफगानिस्तान में तालिबान के पुनरुत्थान और व्यापक मध्य पूर्व में बढ़ती अस्थिरता पर चिंताओं के मद्देनजर। एफएटीएफ की अगली पूर्ण बैठक जून में होने वाली है और सूत्रों का कहना है कि भारत इस समयसीमा में ही काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान की अनुपालन स्थिति के मुद्दे को एजेंडे में सबसे ऊपर रखा जाये।

यह रणनीति पाकिस्तान के लिए विशेष रूप से कमजोर समय पर आयी है, जिसकी अर्थव्यवस्था मुद्रास्फीति, मुद्रा अवमूल्यन और घटते विदेशी भंडार के बोझ तले दबी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ देश की मौजूदा व्यवस्था 2025 के मध्य में समाप्त हो रही है, और नये बचाव कोष के लिए बातचीत कठिन होने की उम्मीद है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में पाकिस्तान को फिर से शामिल करने का कोई भी कदम इन वाताओं को गंभीर रूप से जटिल बना देगा, जिसके परिणामस्वरूप ऋ ण की शर्तें सख्त हो सकती हैं या वितरण में देरी हो सकती है। इसके अलावा, अपर्याप्त धन शोधन नियंत्रण वाले क्षेत्राधिकार के रूप में टैग किये जाने से प्रतिष्ठा को होने वाला नुकसान निजी निवेशकों को हतोत्साहित करेगा और ऐसे समय में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को और ठंडा कर देगा जब इस्लामाबाद पूंजी आकर्षित करने के लिए बेताब है।

इसके निहितार्थ केवल वित्तीय ही नहीं हैं। इस तरह के कदम से देश में राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ सकती है, जो पहले से ही तीव्र घरेलू उथल-पुथल और चल रहे नागरिक-सैन्य तनावों से जूझ रहा है।

किस बीमारी के कारण पैरों में सूजन रहती है?

अचानक पैरों में सूजन आ गई है तो सावधानी बरतने की जरूरत है. पैरों में सूजन के कई कारण हो सकते हैं. हालांकि सामान्य तौर पर पैरों में आने वाली सूजन को किडनी की बीमारी से जोड़कर देखा जाता है. लेकिन, पैरों में सूजन कई और बीमारियों के कारण भी आ सकती है. यह भी हो सकता है कि किसी चोट के कारण भी हो सकता है. पैरों में सूजन की जांच जरूर करवानी चाहिए. क्योंकि कई बार जानलेवा रोग होने पर भी पैरों में सूजन आ जाती है.

पैरों में सूजन आने के पीछे किडनी, दिल और लिवर का गंभीर रोग हो सकता है. तीनों ही स्थिति में पैरों की सूजन अलार्मिंग सिच्युएशन होती है. पैरों में सूजन आने पर भी यदि इसे नजरअंदाज किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकता है. पैरों में सूजन के साथ यदि दर्द भी है तो ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है. यदि दर्द रहित सूजन है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. क्योंकि कई बार पैरों में आने वाली दर्द रहित सूजन आपको ज्यादा समय नहीं देती है. यदि यह सूजन दिल संबंधी रोग के कारण है तो दिल का दौरा पड़ने की आशंका बनी रहती है.

ये भी पढ़ें

क्यों आती है पैरों में सूजन

पैरों में सूजन आने के कई कारण हैं. इनमें पहला है चोट लगना. इसके अलावा ज्यादा देर तक खड़े रहने से भी पैरों में सूजन आ सकती है. यदि सूजन दर्द रहित है तो फिर किडनी, दिल या लिवर रोग के कारण हो सकती है. दिल के रोग में रक्त वाहिकाओं में थक्का जमने के कारण पैरों में सूजन आ जाती है. इसका तुरंत इलाज करवाया जाना चाहिए. लिवर में खराबी के कारण शरीर में तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जो सूजन का कारण बनते हैं. इसके अलावा पैरों की नसों में खून के थक्के बनने के कारण भी सूजन आ सकती है.यदि पैरों में सूजन है और उसमें दर्द नहीं हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. डॉक्टर आपकी जांच करवाने के बाद यह तय करेंगे कि सूजन का कारण क्या है. यदि चोट के कारण पैरों में सूजन तो ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

- अनिल जैन

जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए।

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है-

'न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति।
युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत।।'

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)।

भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल-नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है। पिछले महीने की 22 तारीख को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद-पानी मिलता है।

पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे। उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी-पिपासु टीवी चैनल भारतीय जन-मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं।

जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चैनलों पर तीतर-बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चैनलों के मूर्ख एंकर-एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चैनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये 'रक्षा विशेषज्ञ' किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चैनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है।

भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह-तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा 'पारिश्रमिक' मिलता है। तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है।

युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चैनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि-आदि। कुछ चैनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है।

भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त है। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है। इसकी वजह यह है कि हथियार खरीदी के मामले में पाकिस्तान भी अमेरिका का कोई छोटा ग्राहक नहीं है। इसके अलावा कई मौकों पर पाकिस्तानी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल भी वह करता रहा है।

जहां तक चीन का सवाल है, उसके तो और भी ज्यादा हित पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। उसने भी पहलगाम हमले की निंदा तो की है लेकिन पाकिस्तान को अपना मजबूत दोस्त और रणनीतिक भागीदार भी बताकर स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध जैसी स्थिति में वह क्या करेगा। रूस की प्रतिक्रिया भी भारत के लिए आश्वस्तकारी नहीं है। तुर्की, ईरान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देश तो खुल कर पाकिस्तान के साथ हैं। यहां तक कि भारत के छोटे-छोटे पड़ोसी देश भी इस मामले में भारत से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में कौन किसके साथ रहेगा!

कुल मिलाकर युद्ध हमारे लिए बुरी तरह घाटे का सौदा साबित होगा। पाकिस्तान भले ही हमारी तरह परमाणु शक्ति संपन्न है लेकिन वह निहायत ही उद्दण्ड और गैरजिम्मेदार मुल्क भी है। आर्थिक तौर पर तो वह बर्बाद है ही। उसके पास अपने बेगुनाह अवाम के अलावा खोने को भी कुछ खास नहीं है। इसलिए उसके साथ युद्ध की स्थिति में जो भी कुछ बिगड़ना है वह भारत का ही बिगड़ना है।

सवाल उठता है कि जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए, जो कि भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद की भी है। भारत की इस पहलकदमी से आने वाले समय में पाकिस्तान पर निश्चित रूप से दबाव बनेगा। अलबत्ता इन कदमों से अदानी, अंबानी और जिंदल जैसे हमारे यहां के कुछ उद्योग समूहों के हित जरूर प्रभावित हो सकते हैं, जिनके कारोबारी रिश्ते गहरे तौर पर पाकिस्तान और वहां के सत्ता प्रतिष्ठान से ताल्लुक रखने वाले लोगों के साथ जुड़े हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने स्तर पर की जा सकने वाली इस तरह की राजनयिक और आर्थिक नाकेबंदी के साथ ही हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को भी चाक-चौबंद करने के उपाय करने चाहिए। हर आतंकवादी हमले के बाद इस मोर्चे पर हमारी कमजोरियां उजागर होती हैं और सरकार की ओर से इन कमजोरियों को दुरुस्त करने की बातें भी होती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। पहलगाम हमले में भी यह कमजोरी साफ तौर पर उभरकर सामने आई है। इससे पहले उड़ी, पठानकोट एयरबेस और पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले भी हमारी इन्हीं कमजोरियों के परिणाम थे। इन कमजोरियों को दूर किए बगैर अगर हम पाकिस्तान का रण-निमंत्रण स्वीकार कर भी लें तो उससे मसले का कोई स्थायी हल नहीं निकल सकता। आखिरकार हम पाकिस्तान की तुलना में कहीं ज्यादा सभ्य देश हैं। ऐसे ही मौकों पर हमारी सभ्यता का इम्तिहान होता है, जब हम उकसावे में आए बगैर अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए अपने मूल्यों को बनाए रखें। युद्ध नहीं, शांति और सह-अस्तित्व ही हमारी सभ्यता का आधार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

जातिवार जनगणना से जुड़ी अपार संभावनाएं

- अरविन्द मोहन

जाति गिनने वालों को भी वर्गीकरण और जातियों की संख्या या प्रकृति समझने में दिक्कत हुई लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत निम्न जातियों द्वारा खुद को ऊंचा बताने के दावों को मानने न मानने की हुई। अब आरक्षण का लाभ जुड़ा है तो इस बार खुद को छोटी जाति का या अंत्यज बताने की होड़ होगी। चुनावी राजनीति में संख्या बल का महत्व होने से छोटी-छोटी जातियों का एक नाम के तहत जुटान भी संभव होगा।

पहलगाम कांड के बाद प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख की बैठक हुई तो मुल्क 'बड़े' फैसले की उम्मीद कर रहा था। फैसला बड़ा तो हुआ लेकिन पहलगाम के दोषियों को सख्त सजा देने का नहीं। यह कुछ नया ही विषय ऊपर ले आया और इसके चलते यह आरोप भी लगाने लगे कि प्रधानमात्री उस मामले में कुछ करने से बचना चाहते हैं और बढ़ते जनमत का ध्यान दूसरी तरफ मोड़ने के लिए उन्होंने जातिगत जनगणना का फैसला कर लिया। यह संयोग हो सकता है लेकिन यह फैसला इतना हल्का नहीं है। समाज और राजनीति के लिहाज से इसके दूरगामी परिणाम होंगे। चौंकाने और चालाकी का शक करने की एक और वजह संघ और भाजपा का पिछला रिकार्ड है जो आरक्षण की राजनीति, जातिगत जनगणना और हिन्दू समाज में 'भेद' के खिलाफ रहा है। लेकिन कहना होगा कि जब जागो तब सबेरा और यह बहुत बड़ा फैसला ही नहीं है, इसमें काफी सारी विसंगतियों को दूर करने का अवसर भी है। सबसे बड़ी विसंगति तो ओबीसी की संख्या जाने बगैर उसको आरक्षण देना है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पचास फीसदी की सीमा लगाना है जबकि हर अनुमान पिछड़ों-दलित और आदिवासियों की संख्या का अनुपात ज्यादा मानता है। साथ ही मौजूदा समाज में जाति के साथ पिछड़ेपन के और आधार हैं लेकिन उनको चलताऊ मान लिया गया है। कहीं महिलाओं तो कहीं विकलांगों को दो-एक प्रतिशत आरक्षण जैसे समाधान की कोशिश की गई है। परिणाम है कि रोज नए समूह आरक्षण की मांग लेकर मैदान में डटे रहते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तो वे किसान जातियां हैं जो आज भी खेती के मैदान में डटी हैं और उनकी खेती की आमदनी उद्योग, व्यापार और कथित सेवा क्षेत्र की तुलना में पिछड़ती जा रही है। जाट, मराठा, पटेल जैसी जातियां कभी आरक्षण को ठुकरा चुकी थीं लेकिन बदले हालात में उनका आंदोलन सबसे उग्र होता है। दूसरा अध्याय खुद को ओबीसी से अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग में डालने का है। रेड्डी, लिंगायत, विक्कलिगा और नायर जैसी जातियां क्रीमी लेयर के फामूर्ले के खिलाफ लगी रहती हैं। अल्पसंख्यक जमातों को आरक्षण के दायरे में लाना, महिलाओं को आरक्षण देना, निजी क्षेत्र में आरक्षण देना और फौज तथा पुलिस में आरक्षण की मांग भी उठती रहती है। खैर मनाइए कि देसी भाषाओं से पढ़े बच्चों, गरीब और ग्रामीण समाज के वंचित बच्चों की तरफ से अभी तक जोरदार आवाज नहीं उठी है। इसलिए यह कहना एकदम उचित है कि जब समाज के हर वर्ग की संख्या और स्थिति का एक साथ व्यापक आंकड़ा आ जाएगा तो सारी वंचनाओं को मिटाने की तरफ कदम बढ़ाने वाली आरक्षण/विशेष अवसर की व्यवस्था लाई जा सकती है। इसलिए यह हिसाब छोड़िए कि यह फैसला क्यों हुआ और यह पहलगाम से ध्यान भटकाने के लिए हुआ, बिहार के आगामी चुनाव के लिए हुआ, कांग्रेस और विपक्ष के दबाव से हुआ या भाजपा को इसका श्रेय उसी तरह मिलेगा जैसा वी पी सिंह को मिला। शायद वह दौर बीत चुका है और लोग यह भी भूल गए हैं कि भाजपा ने आरक्षण के मुद्दे पर ही बिहार में कपूर्री ठाकुर और केंद्र में वी पी सिंह सरकार गिरा दी है।

मॉक ड्रिल : संयम और साहस दिखाने का समय

देश में आखिरी बार लगभग साढ़े पांच दशक पहले यानी 1971 में हुई भारत-पाकिस्तान जंग के दौरान बचाव के सायरन सुनाई दिये थे। उसके बाद अब एक बार फिर से यह नौबत आई है। पहलगाम (कश्मीर) के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 सैलानियों और एक स्थानीय गाइड की हत्या कर दी थी। इसके कारण देश भर में पाकिस्तान के प्रति नाराजगी है क्योंकि माना जा रहा है कि दहशतगर्द पाकिस्तानी जमीन से आये थे। जिस आतंकी संगठन ने इस कार्रवाई का जिम्मा अपने सिर पर लिया है उनको पहले से ही पाकिस्तानी सरकार, वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित समझा जाता है। सरकार भी पाकिस्तान को मजा चखाने पर आमादा है तथा देश भी चाहता है कि सरकार कड़े कदम उठाये।

इसे लेकर सर्वदलीय बैठक में देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने सरकार के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है। यह अलग बात है कि बैठक में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर मोदी के लौटने से अपेक्षा थी कि सरकार तत्काल कोई कार्रवाई करेगी। इसके विपरीत मोदी लौटकर बिहार में रैली को सम्बोधित करने चले गये, लेकिन वहां से उन्होंने ऐलान किया कि कायराना करतूत करने वालों को ऐसा कड़ा सबक सिखाया जाएगा जो अब तक नहीं देखा गया था। बाद में मोदी की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ हुई बैठकों ने भी आस बंधाई थी कि

लोगों का खून व्यर्थ नहीं जायेगा।

सोमवार को जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे तो सरकार समर्थक मीडिया में इसे देश के मोर्चे पर एक कदम आगे जाना कहा गया। हालांकि अब माना जा रहा है कि मोदी के साथ राहुल की यह बैठक केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नये प्रमुख के चयन को लेकर थी। यहां यह सब बतलाने का तात्पर्य यह है कि देश इस उम्मीद में है कि आर्तकियों एवं पाकिस्तान के खिलाफ भारत तत्काल और कठोर कार्रवाई करे।

ऐसे में सोमवार को गृह मंत्रालय की ओर से एक परिपत्र जारी हुआ है जिसमें सभी 28 राज्यों के लगभग 250 जिलों के चयनित शहरों एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों में मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य जनसामान्य को हवाई हमलों से बचाव का अभ्यास कराना है। बड़े पैमाने पर होने वाली मॉक ड्रिल यह संदेश भी देती है कि देश और उसकी जनता शारीरिक तथा मानसिक दोनों ही स्तरों पर लड़ाई का सामना करने के लिये तैयार है। यह सरकार की भी तैयारी को दशार्ता है जो एक तरफ आक्रमण के लिये खुद को तैयार कर रही है तो वहीं दूसरी ओर अपने नागरिकों के बचाव के प्रति भी चिंतित है। आशा की जानी चाहिये कि जिन शहरों में युद्धाभ्यास होगा, वहां के नागरिक गम्भीरतापूर्वक इसमें हिस्सा लेंगे। श्रेणीवार तीन तरह के शहरों को इसके लिये चयनित किया गया है लेकिन इस प्रदर्शन से उन शहरों के लोग भी लाभान्वित होंगे जिनका मॉक ड्रिल के लिये इस बार चयन नहीं किया गया है। आखिरकार युद्ध में कोई नहीं कह सकता कि दुश्मन किस शहर को अपने निशाने पर लेगा। 1971 में भी ऐसी सावधानी बरती गयी थी जब जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल राज्यों के अनेक सीमावर्ती जिलों के कई शहरों में लोगों को ब्लैकआऊट में रहने का अभ्यास कराया गया था। इससे दहशत खत्म हुई थी तथा बतौर नागरिक लोगों ने भारत-पाक युद्ध का सामना बहादुरी से किया था।

अब बुधवार को होने वाले मॉक ड्रिल में ब्लैक आऊट होगा, सायरन बजेंगे तथा लोगों द्वारा खुद की सुरक्षा का अभ्यास होगा। उन्हें आपातकालीन शेल्टरों में जाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशासन को वेबसाइटों तथा सोशल मिडिया पर नजर रखने के लिये कहा गया है। इस दौरान फोटोग्राफी, वीडियो आदि बनाने व उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करने से बचना होगा। वैसे गृह मंत्रालय ने कहा है कि लोगों में दहशत न हो इसके लिये जरूरी है कि वे इसके बारे में पहले से जानें। बुधवार की शाम को देश भर में एक साथ बजने वाले सायरन को लोगों को प्रतिसाद देना होगा क्योंकि यह जो कुछ भी कवायद हो रही है वह नागरिकों की सुरक्षा के लिये ही है। इसे गम्भीरता से लेना होगा। शत्रु देश की ओर से एयर स्ट्राइक होने पर सायरन के संकेतों को समझना और उसके अनुरूप व्यवहार करना होगा। इस दौरान कोई भी प्रकाश न हो तथा चयनित शहरों में पूरी तरह से अंधकार रहे। इसका उद्देश्य शत्रु के लड़ाकू विमानों की नजरों से खुद को बचाना होता है। इस दौरान खिड़की-दरवाजों को पूरी तरह से बन्द रखा जाये तथा टॉर्च, नगदी, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था कर रखी जाये। टीवी, रेडियो या मोबाइल से प्रशासन द्वारा दिये जाने वाले निदेर्शों को जानते रहना जरूरी है।शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राऊत ने भी कहा है कि 'देश को 1971 के मॉक ड्रिल का अनुभव है। सरकार यदि यह करती है तो देश इसके लिये तैयार है।' भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देशवासियों से अपील की है कि वे मॉक ड्रिल में हिस्सा लें। बुधवार के इस नागरिक अभ्यास से संदेश जायेगा कि देश तैयार है।

लेकिन इस बड़ी तैयारी के साथ यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि युद्ध के नाम पर अनावश्यक उन्माद न फैले, न ही इस पर कोई सनसनी कायम की जाए। यह समय संयम और साहस का परिचय देने का है।

ब्रिटेन और सिंगापुर ने जारी की नई ट्रैवल एडवाइजरी, नागरिकों को जम्मू-कश्मीर और सीमा क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह

लंदन/नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते सैन्य तनाव को देखते हुए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय (एफसीडीओ) ने अपना यात्रा परामर्श अपडेट कर दिया है। इसमें ब्रिटिश नागरिकों को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की यात्रा से सख्त परहेज करने की सलाह दी गई है। नवीनतम परामर्श में विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग, श्रीनगर शहर, और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की यात्रा से भी मना किया गया है। इसके अलावा, लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के 10 मील (लगभग 16 किलोमीटर) के भीतर किसी भी क्षेत्र में यात्रा पर पूरी तरह रोक लगाने की सिफारिश की गई है। ब्रिटिश सरकार ने यह कदम भारत द्वारा हाल ही में किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उठाया है, जिसमें भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस सैन्य कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव और अधिक गहराया है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने बयान में कहा, ÷क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति अत्यधिक संवेदनशील बनी हुई है। हम अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और उन्हें अपील करते हैं कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें।

सिस्टीन चैपल से निकला काला धुआं, अब तक नहीं चुना गया नया पोप

वेटिकन सिटी। वैटिकन के सिस्टीन चैपल की चिमनी से निकले काले धुएं ने यह संकेत दे दिया कि कैथोलिक चर्च को फिलहाल नया पोप नहीं मिला है। 133 कार्डिनल्स ने इस गुप्त और पारंपरिक प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है, लेकिन पहले दौर की वोटिंग में कोई स्पष्ट निर्णय नहीं हो सका।कैथोलिक चर्च के 2,000 साल पुराने इतिहास में सबसे अधिक भौगोलिक विविधता वाले इस कॉन्क्लेव की शुरुआत रोमन रीति-रिवाज़ों, लाल वस्त्रधारी कार्डिनल्स की उपस्थिति, लैटिन मंत्रोच्चारण और भव्य माहौल के बीच हुई। पहले मतदान के असफल रहने के बाद कार्डिनल्स गुरुवार को फिर से मतदान करेंगे। सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों श्रद्धालु विशाल स्क्रीन पर मतदान प्रक्रिया का इंतजार करते रहे। जैसे ही चिमनी से धुआं निकला, लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, हालांकि काले धुएं ने उम्मीदों पर फिलहाल पानी फेर दिया। वहीं, लंदन से आए 27 वर्षीय गैब्रियल कैप्री ने कहा, उम्मीद है कि कार्डिनल्स ऐसा नेता चुनें जो शांति स्थापित कर सके और चर्च को एकजुट करने की क्षमता रखता हो।

भारत से युद्ध नहीं चाहता पाकिस्तान, लेकिन पूरी तरह तैयार है: पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में पूर्ण युद्ध से बचना चाहता है, लेकिन यदि युद्ध थोपा गया तो पाकिस्तान की सेना पूरी तरह तैयार है। अमेरिकी न्यूज नेटवर्क को दिए एक विशेष साक्षात्कार में आसिफ ने कहा, भारत की हालिया एयर स्ट्राइक हमारे लिए संघर्ष को और गहरा करने का खुला निमंत्रण है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर भारत युद्ध थोपता है, तो हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमारी सेना सतर्क है और किसी भी आक्रामक कदम का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। हमें ऑफ-गार्ड नहीं लिया जा सकता। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत की ओर से हमलों की तीव्रता बढ़ाए जाने के कारण संघर्ष का दायरा भी बढ़ रहा है, जो पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मामले में हस्तक्षेप करने की भी अपील की। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी भारत को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत को अपने कायराना हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी।

गाजा पर इजराइली हमले तेज, 92 लोगों की मौत

देइर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइल द्वारा गाजा पट्टी पर किए गए भीषण हवाई हमलों में कम से कम 92 लोगों की जान गई, जिनमें महिलाएं, बच्चे और एक स्थानीय पत्रकार भी शामिल हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इजराइल ने गाजा में अपने सैन्य अभियान को और तेज करने की योजना बनाई है। यह युद्ध अब अपने 20वें महीने में प्रवेश कर चुका है। मध्य गाजा में किए गए दो बड़े हवाई हमलों में 33 लोगों की मौत और 86 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, वास्तविक मृतकों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। इजराइली सेना ने इन हमलों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इन हमलों के कुछ ही दिन पहले इजराइली सरकार ने गाजा में अपने सैन्य अभियान को विस्तार देने की योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में गाजा के और अधिक हिस्सों पर कब्जा करना, पहले से कब्जाई गई जमीन पर नियंत्रण बनाए रखना, फिलिस्तीनियों को दक्षिणी गाजा की ओर जबरन विस्थापित करना और राहत वितरण व्यवस्था पर निजी सुरक्षा एजेंसियों की मदद से नियंत्रण हासिल करना शामिल है।

ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को रोकने के लिए 'मदद' की पेशकश की

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमला करने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चिंता जताई है और कहा है कि वह इस मामले में मदद के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता हुआ यह झगड़ा जल्द से जल्द रुक जाए। ट्रंप ने कहा, ÷यह बहुत दुखद है। मेरी स्थिति यह है कि मैं दोनों के साथ मिलकर काम करता हूं। मैं दोनों को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। मैं चाहता हूं कि वे आपस में मिलकर मामला सुलझाएं। उन्होंने एक-दूसरे को जवाब दिया है, लेकिन अब रुक जाना चाहिए। अगर मैं कुछ मदद कर सकता हूं तो मैं तैयार हूं। मैं उन दोनों को जानता हूं, हम दोनों देशों के साथ

बहुत अच्छे से मिलकर काम करते हैं। अगर मैं इसमें कुछ मदद कर सकता हूं तो मैं इसके लिए तैयार हूं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पीओके और पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। यह हमला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में किया गया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि वे राष्ट्रपति ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि यह तनाव जल्द खत्म हो और अमेरिका दोनों देशों से शांति के लिए बातचीत करता रहेगा इससे पहले बुधवार को, ट्रंप ने मंगलवार को भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। इससे पहले ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस झगड़े के बारे में तभी जानकारी मिली जब वे अपने ऑफिस में जा रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत अफसोसजनक है। पिछली बातों के आधार पर लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। भारत और पाकिस्तान पिछले कई दशकों से, बल्कि सदियों से, एक-दूसरे से लड़ते आ रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास दोनों देशों के लिए कोई संदेश है, तो उन्होंने कहा, नहीं, मैं बस चाहता हूं कि यह लड़ाई जल्दी खत्म हो।

अमेरिका को इजराइल-हमास युद्ध 24 घंटे में रुकने की उम्मीद

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि इजराइल-हमास युद्ध 24 घंटे में रुक सकता है। उसकी भारत-पाकिस्तान के मौजूदा तनाव पर भी नजर है। अमेरिका ने साफ किया है कि चीन पर टैरिफ वापस नहीं होगा। इस बीच ब्रिटेन से बड़ा व्यापार समझौता संभव है। न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों पर इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि वह चीन पर टैरिफ वापस लेने के लिए तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इजराइल और हमास के लिए नए युद्धविराम और बंधक सौदे के प्रस्ताव की अच्छी खबर अगले 24 घंटों में आ सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच गोलीबारी के बाद होने वाले घटनाक्रमों पर उनकी बारीकी से नजर है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार सुबह ब्रिटने के साथ व्यापार समझौते की घोषणा कर

सकते हैं। यह दर्जनों व्यापारिक साझेदारों पर भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद पहला समझौता होगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह एक बड़े और अत्यधिक सम्मानित देश के प्रतिनिधियों के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते की घोषणा करेंगे।

अमेरिका के साथ नहीं होगी सीधी बात, ईरान ने प्रस्ताव से जुड़ी रिपोर्ट को किया खारिज

एजेंसी
तेहरान । ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें यह कहा गया था कि तेहरान ने वाशिंगटन के साथ सीधे परमाणु वार्ता का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने ईरान के प्रेस टीवी से बात करते हुए इजरायली न्यूज वेबसाइट वाईनेट की एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया था कि ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अमेरिकी मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ से संपर्क किया था। साथ ही उन्होंने ओमानी मध्यस्थता से निराशा के कारण सीधे परमाणु वार्ता का अनुरोध किया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बाघई ने इस बात से भी इनकार किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह सऊदी अरब की अपनी आगामी यात्रा के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मिल सकते हैं।प्रवक्ता ने मीडिया रिपोर्ट और अफवाहों को मनगढ़ंत और बेबुनियाद बताया। साथ ही कहा कि ईरान की कूटनीतिक गतिविधियों, जिसमें अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष

वार्ता शामिल है, उसकी सारी जानकारी विदेश मंत्रालय पारदर्शी, पेशेवर और समय पर तरीके से साझा करता है। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व अराघची और विटकॉफ कर रहे हैं, उन्होंने अब तक तीन दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। पहले और तीसरे दौर की वार्ता ओमान की राजधानी मस्कट में 12 और 26 अप्रैल को हुई, जबकि दूसरा दौर 19 अप्रैल को रोम में हुआ। चौथा दौर 3 मई को रोम में होने वाला था, लेकिन ओमान के मध्यस्थ ने लॉजिस्टिक कारणों से स्थगित कर दिया। ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से जुड़े नूर न्यूज ने मंगलवार को बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच चौथे दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता रविवार को मस्कट में होगी। हालांकि, बाघई ने कहा कि ईरान-अमेरिका वार्ता के चौथे दौर की निश्चित तारीख और स्थान अभी तय नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान दोनों ने अब तक अपनी वार्ताओं को सामान्य रूप से उपयोगी बताया है, जिसमें पिछला दौर भी शामिल है। यह घोषणा तब की गई है, जब अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल्स के कथित अवैध व्यापार में शामिल संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाए हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की फोन पर हुई बात, इशाक डार का दावा

एजेंसी
अंकारा (तुर्किये)। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों के खिलाफ किए गए भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से संघीय सरकार की नींद हराम है। इसके ठीक एक दिन बाद पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अपने भारतीय समकक्ष के साथ फोन पर बात की है। तुर्किये के समाचार प्रसारक 'टीआरटी वर्ल्ड चैनल' ने बुधवार देर रात पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के हवाले से यह खुलासा किया। हालांकि नई दिल्ली का ऐसी किसी फोन पर हुई बातचीत को लेकर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं आया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने टीआरटी वर्ल्ड को दिए साक्षात्कार में इस घटनाक्रम की पुष्टि की। चैनल ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की ताजा सैन्य कार्रवाई के बाद यह पहला ऐसा संपर्क था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान गई है। टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, डार ने भारत के

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार असीम मलिक के बीच हुई बातचीत का बाकी कोई ब्यौरा नहीं दिया। चैनल ने अपने प्रसारण में कहा कि इस बातचीत को परमाणु सशस्त्र पड़ोसियों के बीच बड़े सैन्य टकराव की आशंका के बीच तनाव कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस बातचीत पर भारत का कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इस इंटरव्यू में डार ने कहा कि तुर्किये पहला देश है जिसने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस्लामाबाद से संपर्क किया।

उन्होंने कहा कि रात लगभग एक बजे मुझे सबसे पहला फोन तुर्किये के विदेश मंत्री का आया। इसके बाद तुर्किये के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात की। डार ने कहा कि भारत के हमलों के बाद व्यक्तिगत रूप से और पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के माध्यम से उनसे संपर्क करने वाले पहले राजदूतों में से एक इस्लामाबाद में तुर्किये के राजदूत हैं। यह दोनों देशों के भाईचारे और दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है।

भारत ने पाकिस्तान के हमले को किया नाकाम, लाहौर में वायु रक्षा प्रणाली को किया नष्ट : पीआईबी

एजेंसी
इस्लामाबाद/नई दिल्ली। 07 मई 2025 की रात को पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ एक और उकसावे की कार्रवाई सामने आई। ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरी तरह से विफल कर दिया। भारतीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान ने अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज जैसे स्थानों पर ड्रोन और मिसाइल भेजे। हालांकि, भारत की एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने समय रहते सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया। विभिन्न स्थानों से बरामद मलबे से पाकिस्तान के हमले की

पुष्टि हुई है।इसके जवाब में, आज सुबह भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर आनुपातिक प्रतिक्रिया दी। वायुसेना द्वारा की गई इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के लाहौर क्षेत्र में स्थित एक वायु रक्षा प्रणाली को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया। इससे पहले 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस वार्ता के दौरान भारत ने स्पष्ट किया था कि उसकी प्रतिक्रिया संयमित, केंद्रित और गैर-आक्रामक होगी। भारत ने पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना न बनाए जाने की बात दोहराई थी, लेकिन यह भी कहा था कि भारतीय सैन्य ठिकानों पर किसी भी प्रकार का हमला उचित जवाब को आमंत्रित करेगा।पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी की घटनाएं नियंत्रण रेखा पर भी तेज़ हो गई हैं। कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में पाकिस्तान ने मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी से अकारण फायरिंग की, जिसमें तीन महिलाओं और पांच बच्चों सहित सोलह नागरिकों की जान चली गई। इन घटनाओं के बाद भारत को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी ताकि मोर्टार और आर्टिलरी फायर को रोका जा सके। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि वह स्थिति को और न बढ़ाने का पक्षधर है, लेकिन उसकी यह प्रतिबद्धता तभी प्रभावी हो सकती है जब पाकिस्तान की सेना भी इसका सम्मान करे।

पाकिस्तान-भारत के मौजूदा तनाव ने अफगानिस्तान की चिंता बढ़ाई

एजेंसी
काबुल। पाकिस्तान और भारत के बीच ताजा तनाव ने अफगानिस्तान के व्यापार के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बंदरगाहों पर अफगानिस्त से निर्यात होने वाले शिपमेंट रुक गए हैं। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इन्वेस्टमेंट ने कहा कि इस स्थिति ने अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ा दिया है। टोलो न्यूज के अनुसार, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इन्वेस्टमेंट के बोर्ड सदस्य खान जान अलोकोजय ने कहा कि यह स्थिति अफगानिस्तान के लिए नुकसानदेह है। सीमित आपूर्ति और उच्च मांग के कारण भारत में अफगान सामान अधिक महंगे हो गए हैं। भारत के लोगों को अफगानिस्तान के ताजे और सूखे फल पसंद हैं। दोनों देशों के बीच तनाव अफगानिस्तान के लिए गंभीर मुद्दा है। बोर्ड सदस्य ने पाकिस्तान और भारत की सरकार से पारगमन और व्यापार के मुद्दों को राजनीतिक और सुरक्षा मामलों से अलग करने का आह्वान किया है। वित्र मंत्रालय ने अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भारत-पाकिस्तान तनाव के प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में भी चिंता व्यक्त की है। उप वित्त मंत्री अब्दुल लतीफ नाजारी ने कहा कि भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव अफगानिस्तान की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। अफगानिस्तान का जरूरी सामान वाघा सीमा के जरिए आयात होता रहा है।बढ़ते तनाव के साथ यह प्रक्रिया निस्संदेह अफगानिस्तान के आयात और निर्यात को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इस बीच, कुछ विशेषज्ञों का सुझाव है कि अफगानिस्तान भारत के साथ व्यापार जारी रखने के लिए ईरान के चाबहार बंदरगाह का अधिक से अधिक उपयोग कर सकता है।

अमेरिका रॉबर्ट एफ. कैनेडी हत्याकांड की 60,000 और फाइलों को सार्वजनिक करेगा

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ. कैनेडी हत्याकांड से जुड़ी करीब 60,000 फाइलों को सार्वजनिक करने की घोषणा की।

कैनेडी की हत्या साल 1968 में हुई थी। न्यूज के अनुसार, तुलसी गबार्ड ने कहा कि यह पिछले महीने जारी की गई करीब 10,000 फाइलों के अतिरिक्त हैं। उन्होंने कहा कि 10,000 फाइलों से खुलासा हुआ कि विदेशी धरती पर अफवाह फैल रही थी कि कैनेडी को उनकी वास्तविक हत्या की तारीख से एक महीने पहले गोली मार दी गई थी। गैबर्ड के अनुसार, हाल ही में जारी की गई फाइलें संघीय सरकार की अलमारियों में दशकों से पड़ी हुई थी।

उन्हें पहले कभी भी डिजिटल नहीं किया गया था या जनता के लिए सुलभ नहीं बनाया गया था। उन्होंने कहा कि अब तक सार्वजनिक की गई फाइलों में लॉस एंजिल्स पुलिस का कैनेडी के हत्यारे और प्रत्यक्षदर्शियों के साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग शामिल हैं। अतिरिक्त फाइलें ड्डह्म्ष्द्ध1द्गह्य.द्दश1/ह्म्द्मद्म पर पहले से जारी की गई फाइलों के साथ अपलोड की जाती रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या अब भी रहस्य बनी हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आते ही रॉबर्ट कैनेडी की हत्या से संबंधित दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का वादा किया था। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गाबार्ड का मानना है कि रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या के लगभग 60 साल बाद अमेरिकी लोगों को पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में संघीय सरकार की जांच की समीक्षा करने का अवसर मिला है।

नेपाल से भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे चीन के चार नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल से रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करते चीन के संदिग्ध चार नागरिक को एसएसबी ने नेपाल-भारत मैत्री ब्रिज से गिरफ्तार कर लिया। इसमें एक महिला भी है। वह बार- बार अपना बयान बदल रही है। एसएसबी के अनुसार, चीन की महिला खुद को कभी नेपाल तो कभी चीन का नागरिक बता रही है। वह हिंदी , नेपाली , अंग्रेजी और चीनी भाषा फर्राटेदार बोल रही है। जांच अधिकारियों ने बताया कि इस महिला के पास मिले कागजों में पाकिस्तान के मोबाइल नंबर मिले हैं। इस महिला का सबंध पाकिस्तान भी हो सकता है। वह वहां के किसी व्यक्ति के संपर्क में है। एसएसबी के अनुसार, तीनों पुरुष चीनी नागरिक पिछले एक हफ्ते से काठमाडू में रह रहे थे और

रक्सौल बॉर्डर से भारत में घुसपैठ करना चाहते थे। इस काम में उनकी मदद यह चीनी महिला कर रही थी। चारों से पूछताछ जारी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-नेपाल के रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यहां से गुजरने वाले सभी लोगों की गहन जांच की जा रही है। भारत मे प्रवेश करने वाले लोगो का पहचान पत्र देख कर ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है।

यूक्रेन ने रातभर रूस में किया ड्रोन हमला, मॉस्को को भी बनाया निशाना

एजेंसी
मॉस्को। यूक्रेन ने रूस में सारी रात मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) से हमला किया। यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को के कुछ हिस्सों को भी निशाना बनाया। रूस का दावा है कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों को विफल कर दिया गया। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास ने रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणालियों ने रात को रूसी क्षेत्रों में 105 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों को रोका और नष्ट कर दिया। इनमें से 19 मास्को क्षेत्र में थे। तास के अनुसार, 05 मई की रात 09 बजे मास्को समय (शाम 06 बजे जीएमटी) से 6 मई को सुबह चार बजे तक वायु रक्षा प्रणालियों ने रूसी क्षेत्रों में 105 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग यूएवी के हमले को रोकते हुए उन्हें मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ब्रांस्क क्षेत्र में 32 ड्रोन, वोरोनिश क्षेत्र में 22, मॉस्को क्षेत्र में 19, पेन्जा क्षेत्र में 10, कलुगा क्षेत्र में नौ, बेलगोरोड क्षेत्र में छह, लिपेत्स्क और समारा क्षेत्रों में दो-दो और व्लादिमीर, कुर्स्क और रोस्तोव क्षेत्रों में एक-एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया।मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि राजधानी की तरफ आ रहे ड्रोन में से एक का मलबा काशीरस्कॉय हाइवे पर गिरा। प्रारंभिक सूचना में कोई गंभीर क्षति नहीं हुई है।

तालिबान और एनआरएफ एक-दूसरे पर हमला न करने पर सहमत

एजेंसी
काबुल। तालिबान और नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट (एनआरएफ) कल एक-दूसरे पर हमला न करने पर सहमत हो गए। एनआरएफ ऐसा सैन्य गठबंधन है, जो तालिबान के दमनकारी शासन के खिलाफ अफगानों को लामबंद करता है। इसको प्रतिरोध मोर्चा भी कहा जाता है। इसके नेता अहमद मसूद हैं। हमले रोकने की रजामंदी बुधवार दोपहर परवान प्रांत के केंद्र में दोनों पक्षों के बीच हुई । टोलो न्यूज के अनुसार, इस पहली बैठक में अहमद मसूद के समर्थकों और तालिबान प्रतिनिधियों ने लड़ाई रोकने के विकल्पों पर चर्चा की। एनआरएफ की स्थापना अगस्त 2021 में अहमद मसूद ने की थी। एनआरएफ के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर अलमास जाहिद और छह सदस्यीय तालिबान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तालिबान के खुफिया उप नेता मोहम्मद मोहसिन हाशिमी ने किया। इस बैठक में हिस्सा लेने वाले

अगर चर्चा का कोई नतीजा नहीं निकलता तो सैन्य हमले का विकल्प तो खुला ही है। प्रतिरोध मोर्चा के सदस्य हामिद सैफी ने कहा कि वार्ता के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं।

एनआरएफ के नेता मोहम्मद आलम एजेदयार ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि दोनों पक्ष दूसरे दौर की वार्ता होने तक एक-दूसरे पर हमला नहीं करने पर सहमत हुए हैं। यह बैठक करीब तीन घंटे बाद समाप्त हुई। इस बीच, तालिबान प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा कि तालिबान पंजशीर के मुद्दे पर चर्चा करना चाहता था, लेकिन मसूद के समर्थक भावी सरकार की संरचना पर चर्चा करना चाहते थे। इसलिए वार्ता का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य अनामुल्लाह समांगानी ने कहा कि पंजशीर पर चर्चा शासन प्रणाली की समग्र संरचना पर केंद्रित रही। तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के सदस्य नूरुल्लाह नूरी ने कहा कि आने वाले दिनों में चर्चा के नतीजे सामने आएंगे। अगर चर्चा का कोई नतीजा नहीं निकलता तो सैन्य हमले का विकल्प तो खुला ही है। प्रतिरोध मोर्चा के सदस्य हामिद सैफी ने कहा कि वार्ता के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। इसके बावजूद, हमारे पास सभी सैन्य तैयारियां भी हैं।

आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2: भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड टीमों ने फाइनल में बनाई जगह, पक्के किए दो पदक

एजेंसी

शंघाई। भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने वर्ल्ड कप स्टेज-2 में दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस उपलब्धि के साथ ही भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दो पदक पक्के कर लिए हैं। विश्व की नंबर-1 पुरुष कंपाउंड टीम–ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा और ऋषभ यादव की तिकड़ी–ने क्वार्टरफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 239-232 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में डेनमार्क के खिलाफ कड़ा मुकाबला रहा, लेकिन भारत ने 232-231 से जीत दर्ज की। क्वार्टरफाइनल में भारत ने पहला सेट 59-60 से गंवाया, लेकिन अगले दो सेट 60-58 और 60-57 से जीतकर बढ़त बना ली। चौथे सेट में भी भारत ने 60-57 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में भारत की शुरुआत खराब रही और पहला सेट 57-60 से हार गया। लेकिन दूसरे सेट में स्कोर 58-58 से बराबर रहा। तीसरे सेट के बाद डेनमार्क को 118-115 की बढ़त थी, लेकिन भारत ने चौथे सेट में 60-57 से बाजी मारते हुए स्कोर 175-175 पर बराबर किया और आखिरी सेट में 57-56 की मामूली बढ़त के साथ फाइनल में जगह बना ली। महिला कंपाउंड टीम–मधुरा धमांगांवकर, चिकिता तनिपार्थी और ज्योति सुरेखा वेन्नम–ने क्वार्टरफाइनल में कजाखस्तान को 232-229 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 232-230 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई।

ऑल इंडिया इंटर जोनल हाकी टूर्नामेंट में प्रधान महालेखाकार प्रयागराज की टीम उपविजेता

प्रयागराज। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग द्वारा कोलकाता में आयोजित ऑल इंडिया इंटर जोनल हाकी टूर्नामेंट में प्रधान महालेखाकार प्रयागराज की हाकी टीम उपविजेता रही। कार्यालय के मनोरंजन क्लब द्वारा टीम के सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मनोरंजन क्लब के महासचिव अमित सिंह ने टीम के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आप लोग इसी तरह अपने खेल का प्रदर्शन करते रहें। किसी भी तरह के सहयोग के लिए क्लब आप लोगों के साथ हमेशा रहेगा। टीम के कोच मयंक दूबे को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में टीम की एकजुटता और प्रदर्शन विगत कई वर्षों से सराहनीय रहा है। राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि क्लब की तरफ से प्रखर श्रीवास्तव, कुशल वाल्मीकि, विजय पाण्डेय, मुमताज अहमद, निरंजन राय, संजीव कुमार सिंह आदि ने टीम के सभी खिलाड़ियों को इस प्रदर्शन के लिए बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी।

पेट्रा क्वितोवा ने इटालियन ओपन में पहली जीत दर्ज की

रोम। दो बार की विंबलडन चैंपियन और चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा ने अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद इटालियन ओपन मुकाबले में पहली जीत दर्ज की है। रोम में इटालियन ओपन के पहले दौर में चेक गणराज्य की खिलाड़ी क्वितोवा ने रोमानिया की इरिना-कैमेलिया बेगू पर सीधे सेट 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। पेट्रा क्वितोवा ने महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) को मैच के बाद कहा कि मुझे 95 प्रतिशत लग रहा था कि मैं कोर्ट में कभी वापस नहीं लौट पायेगी। उस समय मैं टेनिस से ऊब चुकी थी। मैं सोच रही थी 'मैं अब और नहीं खेल सकती' इसलिए हमने बच्चे के लिए प्रयास करने का फैसला किया। क्वितोवा टूर्नामेंट के दूसरे दौर में ट्यूनीशिया की विश्व नंबर 36 की ओन्स जबूर से भिड़ेगी। दूसरे मैच में, ब्रिटेन की सोनय कार्टल ने दो घंटे 10 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी किम्बर्ली बिरेल को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया।

स्कॉलरशिप ने तीरंदाजी में आने के लिए किया प्रेरितः सरवेश

भागलपुर। बिहार में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तीरंदाजी अंडर-18 प्रतियोगिता में भाग ले रहे तमिलनाडु के स्मरण सरवेश ने कहा कि स्कॉलरशिप मिलने के बाद खेल में अधिक मन लगने लगा था।सरवेश ने भागलपुर सैंडिस कंपाउंड में चल रही खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तीरंदाजी में पुरुषों के रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा फाइनल के प्रवेश कर लिया है और अब वह अपने खिताबी मुकाबले में स्वर्ण पर निशाना साधने उतरेंगे। सरवेश की मां तमिलनाडु में सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस यानी के एसपी की पद पर कार्यरत हैं और अब उनका बेटा तीरंदाजी में स्वर्ण पर निशाना साधने के लिए तैयार हैं. फाइनल में गुरुवार को सरवेश का सामना महाराष्ट्र के उज्जवल भरत ओलेकर से होना है। तमिलनाडु के इस युवा खिलाड़ी ने स्कॉलरशिप को लेकर कहा, मैं भी खेलो इंडिया के स्कीम का हिस्सा हूं। एक युवा खिलाड़ी को इससे काफी मदद मिलती है। स्कीम के अलावा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल महासंघ से हमें फुल सपोर्ट मिल रहा है। जब स्कॉलरशिप मिलने लगा तो मेरा मन इस खेल में लगने लगा। इस उम्र में जब आप करियर बनाना शुरू करते हैं तो स्कॉलरशिप काफी मदद करती है।

रोहित शर्मा के शानदार टेस्ट करियर पर बीसीसीआई ने दी बधाई, बताया भारतीय क्रिकेट का प्रेरणास्रोत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं दी हैं। बोर्ड ने उनके योगदान को 'प्रेरणादायक और शानदार' बताते हुए उनके उज्ज्वल करियर की सराहना की है। रोहित अब टेस्ट और टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह चुके हैं, हालांकि वह भारत की वनडे टीम का हिस्सा बने रहेंगे। रोहित ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट कर टेस्ट क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की। रोहित शर्मा ने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में कदम रखा और भारत के 35वें टेस्ट कप्तान के रूप में जिम्मेदारी संभाली। अपने 67 टेस्ट मुकाबलों में उन्होंने 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 212 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। आंकड़ों से परे, उन्होंने भारतीय क्रिकेट को धैर्य, नेतृत्व और समर्पण की एक मजबूत विरासत सौंपी है।

मिडल ऑर्डर से ओपनर तक का सफर बना मिसाल

एक समय मिडल ऑर्डर बल्लेबाज रहे रोहित शर्मा ने खुद को टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल ओपनरों में शामिल किया। उन्होंने तकनीकी मजबूती और आक्रामकता के संतुलन के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देने का काम किया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से खेला।

कप्तान के रूप में भी निभाई अहम भूमिका

रोहित ने 24 टेस्ट में टीम की कप्तानी की, जिनमें से 12 में भारत को जीत मिली। उन्होंने संक्रमणकालीन दौर और चोटों से जूझती टीम को मजबूती से संभाला। उनके नेतृत्व ने युवाओं को प्रेरित किया और उनकी बल्लेबाजी ने करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीता।

बीसीसीआई अध्यक्ष और सचिव ने दी शुभकामनाएं

बीसीसीआई अध्यक्ष रॉजर बिन्नी ने कहा,रोहित शर्मा का प्रभाव आंकड़ों से कहीं ऊपर है। उन्होंने टीम को स्थिरता, आत्मविश्वास और अनुशासन दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और संयमित स्वभाव ने भारतीय क्रिकेट को एक नई दिशा दी है।

वहीं, बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, रोहित शर्मा न सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज रहे बल्कि एक ऐसे कप्तान भी, जिन्होंने हमेशा टीम को प्राथमिकता दी। उनका अनुशासन, विनम्रता और उत्कृष्टता आज की पीढ़ी के लिए मिसाल है। भारतीय क्रिकेट हमेशा उनके योगदान का ऋणी रहेगा। रोहित शर्मा भले ही सफेद कपड़ों से विदा ले चुके हों, लेकिन उनका योगदान, शैली और नेतृत्व भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सदैव अमिट रहेगा।

आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को टीम में किया शामिल

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने मयंक अग्रवाल को चोटिल देवदत्त पडिक्कल के स्थान पर टीम में शामिल किया है। पडिक्कल को दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, जिसके चलते उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज़ देवदत्त पडिक्कल इस सीजन आरसीबी की बल्लेबाजी का मजबूत स्तंभ रहे। उन्होंने 10 पारियों में 247 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 150.60 रहा और वे 11 मैचों के बाद टीम के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। बेंगलुरु के स्थानीय खिलाड़ी मयंक अग्रवाल एक दशक से भी अधिक समय बाद आरसीबी की टीम में लौटे हैं। मयंक ने अब तक 127 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं। आरसीबी ने उन्हें 1 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा, देवदत्त का इस स्टेज पर बाहर होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर जब उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। हम उन्हें जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं देते हैं। वहीं, मयंक अग्रवाल का टीम में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। उनका अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा हमारे लिए टूर्नामेंट के अहम चरण में काफी मददगार साबित होगी। आरसीबी को अब लीग चरण में तीन मुकाबले खेलने हैं, जिनमें पहला 9 मई को लखनऊ में एलएसजी के खिलाफ, दूसरा 13 मई को बेंगलुरु में हैदराबाद के खिलाफ और तीसरा और अंतिम 17 मई को बेंगलुरु में केकेआर के खिलाफ है।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: खिताबी दौड़ में पिछड़ा अल नासर, अल इत्तिहाद से हार के बाद चौथे स्थान पर फिसला

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर को सऊदी प्रो लीग के एक अहम मुकाबले में अल इत्तिहाद के खिलाफ 2-3 की हार का सामना करना पड़ा। अल-अव्वल पार्क में खेले गए इस मुकाबले में अल नासर ने दो गोल की बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में टीम ने वह बढ़त गंवा दी। रोनाल्डो इस मैच में गोल करने में नाकाम रहे।

तीसरे मिनट में सादियो माने ने दिलाई बढ़त

अल नासर की शुरुआत जबरदस्त रही और तीसरे मिनट में ही सादियो माने ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह मौका उन्हें इत्तिहाद के डिफेंडर अब्दुलएलाह अल-अमारी की गलती से मिला, जिनकी बैक पास किक माने के पास पहुंच गई। माने ने गेंद को कंट्रोल करने के बाद गोलकीपर प्रेड्रैग राजकोविच को छकाते हुए गेंद को नेट में डाल दिया।

पहले हाफ में 2-0 की मजबूत स्थिति में थी अल नासर

पहले हाफ के खत्म होने से पहले अल नासर ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। इस बार माने ने असिस्ट किया और अयमन यहया ने बिना समय गंवाए गेंद को नेट में पहुंचाया। पहले हाफ के बाद ऐसा लग रहा था कि अल नासर आसानी से मुकाबला जीत लेगी।

बेंजेमा-कांते ने किया पलटवार, औआर ने दिलाई जीत

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अल इत्तिहाद ने आक्रामक रुख अपनाया और पांच मिनट के अंदर वापसी के संकेत दे दिए। रोनाल्डो के पुराने साथी करीम बेंजेमा ने हेडर के जरिए गेंद को आगे बढ़ाया और इसके तीन मिनट बाद ही एन'गोलो कांते ने बेंटो ने रोक लिया था, लेकिन रिबाउंड पर गेंद इत्तिहाद के खिलाड़ी से टकराकर नेट में चली गई।

प्वाइंट टेबल में बड़ा असर, इत्तिहाद शीर्ष पर मजबूतः इस हार के साथ अल नासर अब अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गया है और अब वह शीर्ष पर मौजूद अल इत्तिहाद से 11 अंक पीछे है। वहीं इत्तिहाद ने इस जीत से अपने शीर्ष स्थान को और मजबूत कर लिया है।

पीएसजी ने आर्सेनल को हराकर फाइनल में बनाई जगह, रुइज़ और हकीमी रहे हीरो

एजेंसी

पेरिस। फैबियन रुइज़ और अचरफ हकीमी के गोलों की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रात को आर्सेनल को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर कुल 3-1 के अंतर से चैम्पियंस लीग 2024-25 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह क्लब के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचना है।

रुइज़ और हकीमी के गोलों ने दिलाई जीतः पहले चरण में 1-0 से बढ़त हासिल कर चुकी पीएसजी ने अपने घरेलू मैदान 'पार्क डेस प्रिंस' में शानदार प्रदर्शन किया। 27वें मिनट में फैबियन रुइज़ ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर पहला गोल किया। इसके बाद दूसरे हाफ में अचरफ हकीमी ने 72वें मिनट में दूसरा गोल दागकर मुकाबले को लगभग खत्म कर दिया।

साका ने लौटाई उम्मीद, लेकिन चूके मौके पर आर्सेनल के लिए बुकायो साका ने 76वें मिनट में एक गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन इसके बाद एक ओपन गोल मिस कर बैठे। इससे पहले गोलकीपर डोनारुम्मा ने कई शानदार बचाव कर आर्सेनल को शुरुआती बढ़त लेने से रोका।

विवादित पेनल्टी और मिस हुआ मौका

64वें मिनट में पीएसजी को एक विवादित पेनल्टी मिली, जब हकीमी के शॉट पर गेंद आर्सेनल के लुईस-स्केली के हाथ से छू गई। हालांकि, विटिन्हा इस मौके को गोल में नहीं बदल सके और डेविड राया ने शानदार बचाव किया।

अब इंटर मिलान से भिड़ेगा पीएसजी

अब पीएसजी का मुकाबला 31 मई (1 जून, भारतीय समय अनुसार) को म्यूनिख में इंटर मिलान से होगा। इससे पहले पीएसजी 2020 में फाइनल में पहुंचा था, जहां उसे बायर्न म्यूनिख से हार मिली थी।

आर्सेनल का टूटा सपना

आर्सेनल की यह दूसरी फाइनल में पहुंचने की कोशिश थी, जो 19 साल बाद संभव हो सकती थी। लेकिन एक बार फिर यूरोपीय खिताब की तलाश अधूरी रह गई। अब मिकेल आर्टेटा की टीम प्रीमियर लीग में लगातार तीसरी बार उपविजेता बनने के लक्ष्य पर ध्यान देगी।

अपने आईपीएल भविष्य पर बोले एमएस धोनी- 'अभी मेरे लिए कोई फैसला लेने का समय नहीं'

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) धोनी का आखिरी सीजन होगा या नहीं, इसका फैसला खुद माही ने भी अभी नहीं किया है। 43 वर्षीय धोनी ने कहा कि वो हर साल सिर्फ दो महीने ही खेलते हैं और हर सीजन के बाद उन्हें यह तय करने के लिए 6-8 महीने मेहनत करनी होती है कि उनका शरीर अगले सीजन का दबाव झेल पाएगा या नहीं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद धोनी ने कहा, अभी मेरे लिए कोई फैसला लेने का समय नहीं है, लेकिन जहां भी जाता हूं वहां मुझे प्यार और अपनापन महसूस होता है। धोनी इस सीजन कम फिजिकल योगदान दे रहे हैं, सीएसके कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी माना कि धोनी के घुटने उन्हें लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की इजाजत नहीं देते। 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए धोनी 13वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने शिवम दुबे के साथ मिलकर मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचाया और आंद्रे रसेल की गेंद पर एक अहम छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इस मैच में दो युवा सितारे चर्चा में रहे - उर्विल पटेल और डेवाल्ड ब्रेविस। आईपीएल डेब्यू कर रहे उर्विल ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और मात्र 11 गेंदों में 31 रन ठोक दिए, जिसमें चार छक्के शामिल थे। वहीं ब्रेविस ने 22 गेंदों में फिफ्टी जड़ दी, जिसमें वैभव अरोड़ा के एक ओवर में 6,4,4,6,6,4 जैसे शॉट्स भी शामिल थे। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सीएसके की टीम अब बाकी बचे मैचों का इस्तेमाल युवा खिलाड़ियों को आजमाने के लिए कर रही है। धोनी ने कहा, नेट्स या प्रैक्टिस गेम से ज्यादा जरूरी होता है असली मैच। हम देखना चाहते हैं कि दबाव में खिलाड़ी का रवैया कैसा होता है, वो मानसिक तौर पर कितना मजबूत है।

त्रिकोणीय महिला एकदिनी श्रृंखला: दक्षिण अफ्रीका को हरा फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, श्रीलंका से होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी और निर्णायक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 23 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब भारत का खिताबी मुकाबला 11 मई को कोलंबो में श्रीलंका से होगा। भारत द्वारा दिए गए 338 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 7 रन पर पहला विकेट गंवाया। सलामी बल्लेबाज़ लौरा गुडॉल (7) और तजमीन ब्रिट्स (26) को अमनजोत कौर ने आउट कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद अनेरे डर्कसेन (81 रन, 80 गेंद) और कप्तान क्लो ट्रायोन (67 रन, 43 गेंद) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाईं। अंतिम दो ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को 39 रन की दरकार थी, लेकिन खराब रोशनी के कारण खेल थोड़ी देर रोका गया। जब मैच दोबारा शुरू हुआ, तब अफ्रीकी टीम केवल 15 रन ही बना सकी।भारतीय गेंदबाजों में अमनजोत कौर ने 3 विकेट लेकर मैच का रुख मोड़ दिया, जबकि दीप्ति शर्मा ने 2 विकेट चटकाए। श्री चरनी और प्रतीका रावल को 1-1 सफलता मिली।

मनोलो मार्केज ने कोलकाता शिविर के लिए 28 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम घोषित की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने कोलकाता में 18 मई से शुरू हो रहे राष्ट्रीय कैंप के लिए 28 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा कर दी है। मोहुन बागान सुपर जाइंट के युवा फॉरवर्ड सुहैल अहमद भट को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। पूर्व नंबर-1 गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को एक बार फिर बाहर रखा गया है।

गुरप्रीत पर फिर नहीं दिखा भरोसाः गुरप्रीत सिंह संधू ने आखिरी बार पिछले साल मलेशिया के खिलाफ फ्रेंडली मैच में भारत के लिए खेला था, जहां उनकी एक बड़ी गलती से विपक्षी टीम को गोल मिला और मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद उन्हें इस साल मालदीव के खिलाफ फ्रेंडली और बांग्लादेश के खिलाफ एशियन कप क्वालीफायर में भी टीम से बाहर रखा गया था। उनकी जगह गोलपोस्ट की जिम्मेदारी विशाल कैथ को सौंपी गई है।

तीसरी बार एएफसी एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिशः भारत एएफसी एशियन कप में लगातार तीसरी बार क्वालीफाई करने की तैयारी में है। टीम को तीसरे राउंड के क्वालीफायर में ग्रुप सी में बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग चाइना और सिंगापुर के साथ रखा गया है। ग्रुप की शुरुआती दोनों मैच ड्रॉ रहे हैं, जिससे सभी चारों टीमों के पास एक-एक अंक हैं।

थाईलैंड से फ्रेंडली, फिर हॉन्गकॉन्ग से बड़ी भिड़ंत

टीम की तैयारियों के तहत भारत 10 दिनों का ट्रेनिंग कैंप कोलकाता में लगाएगा, जिसके बाद 4 जून को थाईलैंड के खिलाफ एक फ्रेंडली मुकाबला खेलेगा। इसके बाद टीम 10 जून को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ अहम क्वालीफायर मैच खेलने के लिए काई ताक स्पोर्ट्स पार्क, कौलून सिटी रवाना होगी।

भारत की संभावित टीम-

गोलकीपरः ऋतिक तिवारी, विशाल कैथ, गुरमीत सिंह चाहल, अमरिंदर सिंह।

डिफेंडरःनाओरेम रोशन सिंह, राहुल बेके, कोंशम चिंगलेन्साना सिंह, अनवर अली, थांगजम बॉरिस सिंह, संदेश झिंगन, आशीष राय, सुभाशीष बोस, मेहताब सिंह, टेकचम अभिषेक सिंह, निखिल प्रभु।

मिडफील्डरः सुरेश सिंह वांगजाम, नाओरेम महेश सिंह, आयुष देव छेत्री, उदंता सिंह कुमाम, लालेनगमाविया राल्ते, लिस्टन कोलाको, आशिक कुरुनियन, ब्रैंडन फर्नांडिस।

जतिन वर्मा बने यूपी फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के खेल प्रमोटर जतिन वर्मा को यूपी फेंसिंग एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है जबकि वरिष्ठ खेल प्रशासक अभिजीत सरकार वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर चुने गए हैं। एसोसियेशन की वार्षिक आम सभा की बैठक में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के मीटिंग हाल में संघ के रिक्त पदों को मनोनयन के माध्यम से भरा गया। यह पद निवर्तमान अध्यक्ष पंकज सिंह (भाजपा विधायक) द्वारा पद छोड़ने के चलते रिक्त हुआ था। बैठक में उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के पर्यवेक्षक के तौर पर महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय व खेल विभाग के पर्यवेक्षक के तौर पर लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना की मौजूदगी रही।

आईपीएल 2025: सीएसके ने केकेआर को दो विकेट से हराया, बिगाड़ प्लेऑफ का खेल

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 57वें मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने मेजबान कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को दो विकेट से हरा दिया है। इस हार के साथ कोलकाता के भी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद को धक्का लगा है। कोलकाता की ओर से मिले 180 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत काफी खराब रही। टीम को दोनों ओपनर आयुष म्हात्रे और डेवन कॉनवे बिना खाता खोले आउट हो गए। फिर आईपीएल में पदार्पण कर रहे उर्विल पटेल ने अच्छे शॉट लगाकर टीम को उम्मीद की राह पर लौटाया। उर्विलल ने 11 गेंदों में 31 रन की पारी खेली। प्रमोट कर बल्लेबाजी के लिए ऊपर भेजे गए आर. अश्विन (8 रन) और रविंद्र जडेजा (19 रन) भी जल्द पवेलियन लौट गए। हालांकि इसके बाद शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने 67 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूद स्थिति में ला खड़ा किया। आखिर में महेंद्र सिंह धोनी ने 17 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी।

कोलकाता के लिए वैभव अरोड़ा ने तीन विकेट और हर्षित राणा व वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट चटकाए। जबकि मोइन अली को एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए केकेआर 20 ओवर में 6 विकेट पर 179 रन बनाए। टीम के लिए अजिंक्या रहाणे ने 48 रन और सुनील नारायण ने 26 रन बनाए। जबकि आंद्रे रसेल 38 और मनीष पांडे 36 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई की ओर से नूर अहमद ने चार विकेट चटकाए। जबकि अंशुल कम्बोज और रविंद्र जडेजा के खाते में एक-एक विकेट रहा।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 : मप्र के खिलाड़ियों ने आज कुल 11 पदक किये अर्जित

एजेंसी

भोपाल। बिहार के पटना शहर में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स- 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पदक अर्जित किए। इनमें छह स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य शामिल है। प्रतियोगिता में अब तक मध्य प्रदेश के खिलाडियों ने आठ स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य सहित कुल 14 पदक अर्जित किये है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश मेडल टैली में तीसरे स्थान पर आ गया है। खेलो इण्डिया यूथ गेम्स- 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने मलखम्भ में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक आपने नाम किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में मलखम्भ में कुल नौ स्वर्ण पदक दाँव पर हैं। अब तक सात स्वर्ण पदक के मुकाबले हुए, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण पदक अर्जित किये हैं। अभी दो स्वर्ण पदक के मुकाबले होना शेष हैं। खेले गए मुकाबले में मध्य प्रदेश के देवेन्द्र पाटीदार ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन देते हुए, आल राउंड व्यक्तिगत बालक वर्ग में स्वर्ण, पोल मलखम्भ व्यक्तिगत बालक वर्ग में स्वर्ण, हैंगिंग मलखम्ब व्यक्तिगत बालक वर्ग में स्वर्ण और रोप मलखम्ब व्यक्तिगत बालक वर्ग में रजत पदक सहित कुल तीन स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। ऑल राउंड व्यक्तिगत बालक वर्ग में मध्य प्रदेश के यतिन कोरी ने रजत पदक आपने नाम किया। मलखम्भ में ही ऑल राउंड व्यक्तिगत बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की सिद्धि गुप्ता ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन देते हुए स्वर्ण पदक जीता। मलखम्भ के पोल मलखम्भ व्यक्तिगत बालक वर्ग मुकाबले में मध्य प्रदेश के यतिन कोरी ने कांस्य पदक जीता। शूटिंग के मुकाबलों में शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत बालक वर्ग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के सैयद आयन अली ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक आपने नाम किया। वही मध्य प्रदेश की पूनम रघुवंशी ने शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया। शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत प्रतियोगिता बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की पूनम रघुवंशी ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गतका में फरी सोट्टी टीम प्रतियोगिता बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की मनप्रीत कौर, माहि पटेल और वैष्णवी शर्मा की टीम ने कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, जुडो में 52 किग्रा व्यक्तिगत बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की नैंसी कुंडू ने रजत पदक अपने नाम किया। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रदेश के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए बताया कि मलखम्भ और शूटिंग खिलाड़ियों का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

बिग बॉस 17 फेम

सोनिया बंसल

का बड़ा फैसला, ग्लैमर से अध्यात्म की ओर चल पड़ीं एक्ट्रेस

'बिग बॉस 17' से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनिया बंसल ने एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया है. हिंदी और तेलुगू फिल्मों के साथ-साथ कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकीं सोनिया ने ग्लैमर की चकाचौंध से दूर एक नई राह चुनी है. उन्होंने खुद इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अब वह लाइफ कोच बन गई हैं और लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेंगी. सोनिया के इस फैसले से उनके फैंस बहुत ज्यादा हैरान हैं.सोनिया बंसल ने बताया कि इस भागदौड़ भरी जिंदगी में उन्होंने खुद को कहीं खो दिया था. उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों की जरूरतों को पूरा करने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपनी ही देखभाल करना भूल जाते हैं. सोनिया ने महसूस किया कि परफेक्ट दिखने, खुद को बनाए रखने और ज्यादा पैसा कमाने की होड़ में वह अपनी असली पहचान खो बैठी थीं. इसी वजह से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया से किनारा करने का फैसला किया.

जिंदगी से गायब हो गई शांति

'बिग बॉस 17' की पूर्व कंटेस्टेंट सोनिया ने आगे कहा कि उनके पास पैसा, शोहरत और नाम सब कुछ था, लेकिन अंदरूनी शांति गायब थी. उन्होंने सवाल किया कि अगर आपके पास शांति ही नहीं है तो इतने सारे पैसे का क्या फायदा ? बाहरी तौर पर सब कुछ होते हुए भी, अंदर से खालीपन महसूस होना एक अंधेरी जगह जैसा होता है. इसी एहसास ने उन्हें अपनी जिंदगी में एक नया मकसद ढूंढने के लिए प्रेरित किया.

नहीं जीना चाहतीं दिखावे की जिंदगी

सोनिया अब दिखावे की जिंदगी नहीं जीना चाहती हैं. उन्होंने बताया कि वो अपने दिल की गहराई से यह समझना चाहती हैं कि वो असल में अपनी जिंदगी से क्या चाहती हैं. एक्टिंग इंडस्ट्री ने उन्हें पहचान तो दिलाई, लेकिन सुकून नहीं दिया. सोनिया अब अपनी सच्चाई के साथ जीना चाहती हैं और एक लाइफ कोच और आध्यात्मिक हीलर बनकर दूसरों की मदद करना चाहती हैं. उनका मानना है कि सच्ची खुशी अंदरूनी शांति में ही मिलती है, न कि बाहरी चकाचौंध में.

भारत माता की जय...ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड सितारों ने लगाए जय हिंद के नारे, निमरत बोलीं- एक देश एक मिशन

भारत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब दे दिया है. भारत ने पाकिस्तान और क़ब्ज़े में 9 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है. इस स्ट्राइक में लश्कर और जैश के 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं. भारतीय सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया है. भारत के इस बड़े कदम पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है. ऐसे में बॉलीवुड के कई सितारों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपना-अपना रिएक्शन शेयर किया है और साथ ही जय हिंद के नारे भी लगाए हैं. इसमें अनुपम खेर से लेकर रितेश देशमुख जैसे सितारों का नाम शामिल है.दिग्गज एक्टर अनुपम खेर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा, भारत माता की जय! इसके साथ उन्होंने भारत के झंडे के इमोजी भी अपने पोस्ट के साथ लगाए.

जय हिंद, जय महाकाल - अक्षय कुमार

अक्षय कुमार ने भी ऑपरेशन सिंदूर को सपोर्ट करते हुए पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने अपने एक्सा अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जय हिंद, जय महाकाल.

भारत माता की जय - रितेश देशमुख

एक्टर रितेश देशमुख ने भी देश के इस बड़े कदम पर अपनी खुशी जाहिर की है. उन्होंने भी एक्स अकाउंट पर लिखा, जय हिंद की सेनाज भारत माता की जय. इतना ही नहीं उन्होंने अपने पोस्ट में एक तस्वीर भी सभी के साथ शेयर की है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर लिखा नजर आ रहा है.

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने भी इस मौके पर पोस्ट किया. उन्होंने पहलमगाम हमले का बदला लेने पर खुशी जाहिर करते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किया. एक्टर ने लिखा, जय हिंद. इसके अलावा विनीत ने भी ऑपरेशन सिंदूर वाली तस्वीर शेयर की.

जय हिंद, वंदे मातरम - मधुर भंडारकर

डायरेक्टर और राइटर मधुर भंडारकर का नाम भी ऑपरेशन सिंदूर पर रिएक्शन देने वाले सितारों की लिस्ट में शामिल है. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, हमारी प्रार्थनाएं हमारी सेना के साथ हैं. एक राष्ट्र, हम सब एक साथ खड़े हैं. जय हिंद, वंदे मातरम.

यूं ही कोई अल्लू अर्जुन जैसा सुपरस्टार नहीं बन जाता है...बॉलीवुड वालों को क्या-क्या सीखना चाहिए?

भारतीय फिल्मों के कई सुपरस्टार्स हुए लेकिन पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन ने उन सबके बीच एक अलग ही छवि बनाई है. अल्लू अर्जुन को अब आईकॉनिक सुपरस्टार या फिर लार्जर दैन सुपरस्टार भी कहा जाने लगा है. पुष्पा और पुष्पा 2 ने एक ग्लोबल स्टार का रुतबा बनाया है. लेकिन क्या यह आज के उस माहौल में इतना आसान था जहां तमाम बड़े स्टार्स की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रही हैं? अल्लू अर्जुन को इतनी बड़ी कामयाबी कैसे मिली? इसके पीछे कौन-सा विज़न था? आखिर कोई एक्टर एक सुपरस्टार कैसे बन जाता है- और अपने स्टारडम से हरेक किसी को चकाचौंध कर पाता है- ये जानना वाकई बहुत दिलचस्प है.जाहिर है ये सुपरस्टारडम किसी को यूं ही नहीं मिल जाता. वास्तव में इसके पीछे एक विज़न भी काम करता है. सुपरस्टार बन जाना अपने दौर को प्रतिनिधित्व करने जैसा होता है. हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन या फिर साउथ सिनेमा के एनटीआर, एमजीआर, मोहन लाल और रजनीकांत सबने अपने समय के मिजाज को पर्दे पर जीकर दिखाया है और हर उम्र के लोगों को प्रभावित किया है. उसी कड़ी में आज के समय में अल्लू अर्जुन भी अपनी प्रतिभा और नजरिये से सबको चौंका रहे हैं.

जंजीर, दीवार, तेजाब की याद आई

हालांकि अल्लू अर्जुन के पुष्पा किरदार में वही एंगर था तो सत्तर-अस्सी के दशक में अमिताभ बच्चन की जंजीर, दीवार जैसी फिल्मों में देखा गया था या कि नब्बे के दशक में अनिल कपूर की तेजाब जैसी फिल्मों में. बिग बी की प्रसिद्ध फिल्म अग्निपथ के विजय दीनानाथ चौहान किरदार से पुष्पा कैरेक्टर को कितना अलग कर सकते हैं! लेकिन पुष्पा उस दौर में आती है जब सोसायटी की नई पीढ़ी की महत्वाकांक्षा की परतों के नीचे में गुस्सा दबा हुआ था. यह गुस्सा सत्तर के दशक से भी अलग है. जब फिल्म की कहानी और किरदार में इसे आज के टेम्परामेंट के साथ प्रस्तुत किया गया तो वह युवाओं के दिल से कनेक्ट कर गया और पुष्पा का हर अंदाज वायरल हो गया.

फैन्स की रुचि और पसंद को समझें

जाहिर है पुष्पा किरदार आज के राजनीतिक-सामाजिक हालात से उपजी सोच है और उस सोच को अल्लू अर्जुन ने बहुत ही उम्दा तरीके से जीकर दिखाया है. वह उस किरदार को खुलकर खेल गए. लेकिन यह कितना आसान था. दर्शकों के दिलो दिमाग पर छा जाना कितना सरल था. इतना ही नहीं, आज की तारीख में फिल्में कैसे दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करे, फिल्मी कलाकारों, निर्देशकों को समय के मुताबिक क्या-क्या करना चाहिए- इन सबके बारे में अल्लू अर्जुन एक मॉडर्न ख्याल रखते हैं. जिसका विस्तार से जिक्र उन्होंने बीते दिनों वेब्व समिट मुंबई के दौरान अपने लंबे इंटरव्यू में किया है.

इधर IPL खेल रहे युजवेंद्र चहल, उधर

धनश्री वर्मा

की आ गई मौज! 800 करोड़ी एक्टर के साथ मिला बड़ा मौका

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इस समय IPL 2025 में अपने परफॉर्मेंस से सुर्खियां बटोर रहे हैं. इसके साथ ही RJ महवश से भी उनका नाम जुड़ रहा है. जहां वो उन्हें हर मैच में सपोर्ट करने पहुंचती हैं. कुछ वक्त पहले टीम बस में भी साथ जाती दिखी थीं. हालांकि, चहल और धनश्री वर्मा के रास्ते अब अलग हो गए हैं. दोनों का कुछ वक्त पहले ही तलाक हुआ है. इधर चहल मैच खेल रहे हैं, तो वहीं एक्स वाइफ के हाथ बड़ा मौका लग गया है.राजकुमार राव ने 'स्त्री 2' से 800 करोड़ से भी ज्यादा पैसे छापे थे. फिल्म को दुनियाभर से काफी प्यार मिला था. जल्द उनकी फिल्म 'भूल चूक माफ' आने वाली है. जिसका बीते दिनों एक स्पेशल नंबर आया, नाम था- TING LING SAJNA.

धनश्री वर्मा की मौज आ गई!

युजवेंद्र और धनश्री के रास्ते अलग-अलग हो गए हैं. लेकिन एक्ट्रेस लगातार काम कर रही हैं. कुछ वक्त पहले भी जयपुर में शूटिंग करती नजर आई थीं. अब उनका नया गाना आ गया है. 2 मिनट 35 सेकंड के वीडियो में धनश्री वर्मा ने जबरदस्त डांस किया है. उनके साथ राजकुमार राव भी दिखाई दिए. लोग दोनों की जोड़ी को पसंद भी कर रहे हैं. दरअसल धनश्री कोरियोग्राफर हैं. कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं. हालांकि, यह उनके बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है.

कुछ वक्त पहले खबर आई थी कि धनश्री वर्मा जल्द साउथ फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं. हालांकि, फिल्म की कहानी डांस के इर्द गिर्द होने की बातें सामने आ रही हैं. दरअसल धनश्री वर्मा टीवी शो 'झलक दिखला जा' का भी हिस्सा रह चुकी हैं. पर वो जीत नहीं पाई थी. उस दौरान उन्हें सपोर्ट करने चहल भी वहां पहुंचे हुए थे.

गाने को कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

'भूल चूक माफ' के इस गाने TING LING SAJNA को 18 घंटे पहले रिलीज किया गया था. खबर लिखे जाने तक 29 लाख व्यूज मिल चुके हैं. वहीं काफी संख्या में लोगों ने कमेंट्स भी किए हैं. देखना होगा कि एक्टिंग की दुनिया में वो कब तक कदम रखेंगी. डांस से अक्सर इम्प्रेस करती रही हैं.

भारत ने लाहौर, सियालकोट, कराची में गोले बरसाए

भारतीय सेनाएं पूरी तरह सक्रिय, पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट मार गिराए

नई दिल्ली

पाकिस्तान की ओर से गुरुवार की रात को अचानक भारत के करीब आधा दर्जन शहरों और कई एयरबेस पर हमला करने के लिए ड्रोन से दागी गई मिसाइलों के बाद भारतीय सेनाएं पूरी तरह सक्रिय हो गई हैं। भारत के कई सैन्य और नागरिक क्षेत्रों पर पाकिस्तानी मिसाइलों को भारतीय सुरक्षाबलों ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में लाहौर-सियालकोट-कराची और इस्लामाबाद में गोले बरसाए। लाहौर शहर को निशाना बनाते हुए पाकिस्तान की ओर कई मिसाइलें दागीं। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया है, लेकिन पाकिस्तान ने दो एफ-16के नष्ट होने की पुष्टि की है। भारत के ऑपरेशन 'सिंदूर' से बौखलाए पाकिस्तान ने 7/8 मई की रात में देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे सतर्क भारतीय बलों ने नाकाम कर दिया। जवाब में भारत ने आज सुबह लाहौर से रावलपिंडी तक कई पाकिस्तानी शहरों को इजराइली ड्रोनों से निशाना बनाया। इस दौरान भारत ने कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को लक्ष्य पर रखकर लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। रूस से मिली शक्तिशाली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का पहली बार उपयोग करके भारत पर हमला करने

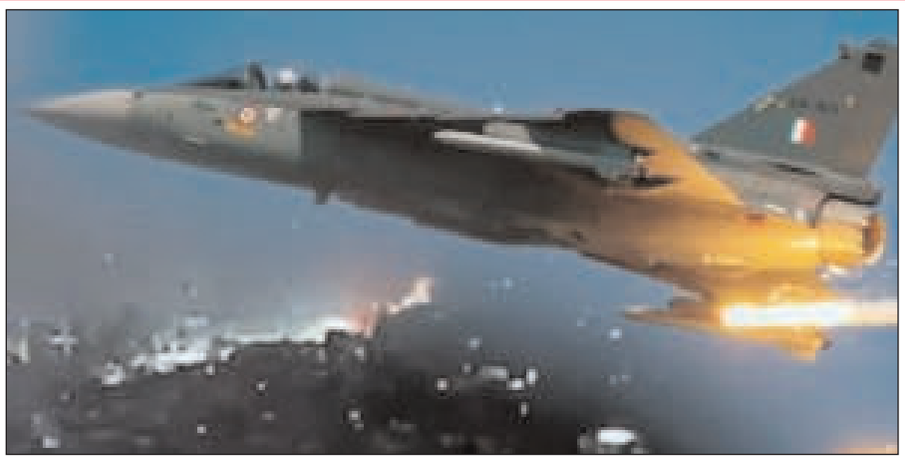

की कोशिश करने वाली पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया गया।

इसके बाद पाकिस्तान ने आज रात 8.30 बजे के करीब अचानक भारत के राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात को निशाना बनाकर ड्रोन से मिसाइल हमले करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका गया। पाकिस्तान ने सतवारी, सांबा, आरएस पुरा और अरनिया सेक्टर में 8 मिसाइलें दागीं, लेकिन सभी को भारतीय वायु रक्षा इकाइयों ने निष्क्रिय कर दिया। जैसलमेर में डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी ड्रोन हवा में ही नष्ट कर दिया, जिससे विस्फोटों की आवाज ने आम नागरिकों को दहला दिया और आसमान में चमकती हुई रोशनी देखी गई। पाकिस्तान ने जम्मू को निशाना बनाकर गोलाबारी की है, लेकिन भारतीय वायु रक्षा तोपें जवाबी फायरिंग कर रही हैं। जम्मू और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट जम्मू, पठानकोट और उधमपुर के सैन्य स्टेशनों को पाकिस्तान ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग करके निशाना बनाया, लेकिन भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 (सुदर्शन चक्र) ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भी पाकिस्तानी ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। उधमपुर और जम्मू संभाग के सांबा में पूर्ण ब्लैकआउट लागू कर दिया गया और लोगों से अपने घरों की ओर जाने की अपील की जा रही है। यहां लगातार सायरन की आवाजें सुनी जा सकती हैं।

पाकिस्तान की इस हिमाकत के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सभी सीमाओं पर आईएल-17 एयर डिफेंस गन का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के हमलों को निर्धारित एसओपी के अनुसार बेअसर कर दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में लाहौर, सियालकोट, कराची और इस्लामाबाद में गोले बरसाए। लाहौर शहर को निशाना बनाते हुए पाकिस्तान की ओर कई मिसाइलें दागी। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के पंजाब में स्थित डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह तबाह कर दिया। पाकिस्तान के दो एफ-16 जैसलमेर और अखनूर में मार गिराए। इसके अलावा पोखरण के पास दो जेएफ-17 विमानों को मार गिराया गया। लाहौर के ऊपर एक अवाक्स काराकोरम ईगल को मार गिराया गया। भारतीय वायु सेना ने कुल 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान और 100 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन भी मार गिराए गए। इसमें 2 पाकिस्तानी पायलट घायल हुए हैं।

देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कड़ी, सभी यात्रियों की बोर्डिंग से पहले होगी अतिरिक्त जांच

नई दिल्ली

देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारत के सभी हवाई अड्डों और एयरलाइनों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब हर यात्री को उड़ान में सवार होने से पहले "सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक" (एसएलपीसी) से गुजरना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया बोर्डिंग गेट पर अंतिम जांच सुनिश्चित करती है ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। साथ ही, हवाई अड्डों के टर्मिनल भवनों में विजिटर्स के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयर मार्शलों की तैनाती भी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस आदेश के बाद देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। वहीं, नागर विमानन सुरक्षा

ब्यूरो के निर्देश के तहत एयर इंडिया, आकासा एयर समेत कई एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए नई यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है।

एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्वीट में कहा, "नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने के आदेश के मद्देनजर, सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी निर्धारित उड़ान के कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें, ताकि चेक-इन और बोर्डिंग की प्रक्रिया सुगम बनी रहे। उड़ान से 75 मिनट पहले चेक-इन काउंटर बंद कर दिया जाएगा।" वहीं, आकासा एयर ने भी एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, "बढ़ी हुई सुरक्षा जांच को ध्यान में रखते हुए, कृपया उड़ान से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। प्रवेश के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त फोटो पहचान पत्र अपने साथ रखें। चेक-इन बैगेज के अलावा, केवल एक हैंडबैग (अधिकतम 7 किलोग्राम) की अनुमति होगी। सभी यात्रियों को बोर्डिंग से पहले द्वितीय सुरक्षा जांच से गुजरना अनिवार्य होगा।" इसके अलावा, इंडिगो और स्पाइटजेट ने भी यात्रा संबंधी सलाह जारी करते हुए कहा है "इन असाधारण समय में यात्रियों से अनुरोध है कि वे सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं के लिए अतिरिक्त समय दें। हम आपकी समझदारी और सहयोग की सराहना करते हैं।"

आतंकवाद विरुद्ध लड़ाई में नेपाल का भारत को समर्थन

काठमांडू

पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के संघर्ष में भारत के रुख का समर्थन करते हुए नेपाल सरकार ने ताजा बयान जारी किया है। भारत के तरफ से ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद नेपाल का यह आधिकारिक बयान आया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को एक बयान जारी करते हुए आतंकवाद विरुद्ध के सभी प्रकार के संघर्ष में नेपाल का साथ और समर्थन रहने की बात स्पष्ट की गई है। इस बयान में कहा गया है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोगों की मौत के बाद ही नेपाल ने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत का साथ देने की बात स्पष्ट कर दी थी। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि नेपाल अपनी भूमि का प्रयोग अपने पड़ोसी देश के खिलाफ नहीं होने देने की प्रतिबद्धता जाहिर करता है। साथ ही नेपाल ने दक्षिण एशिया में शांति और सद्भाव कायम रखते हुए क्षेत्रीय सौहार्द कायम करने की अपील भी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नेपाल और भारत इस साझा शोक और पीड़ा की घड़ी में एकताबद्ध होकर खड़ा है। नेपाल ने पहलगाम हमले के बाद ही बयान जारी करते हुए कहा था कि आतंकवाद के सभी स्वरूपों की वह कड़ी निंदा करता है और इसके खिलाफ होने वाले संघर्ष में भारत को पूर्ण समर्थन देता है।

दिल्ली सरकार ने सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कीं

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बीच दिल्ली सरकार ने गुरुवार को सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। सेवा विभाग के विशेष सचिव अजय कुमार बिष्ट की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक मौजूदा स्थिति और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की तैयारियों के मद्देनजर अगले आदेश तक दिल्ली सरकार के किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को छुट्टी नहीं दी जाएगी।

क्या है भारत का सीड ऑपरेशन, जिससे खौफ में हैं पाकिस्तानी

नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार की सुबह पाकिस्तान के अलग-अगल शहरों में उसके रडार और एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला किया। सेना की भाषा में इसे सीड (एसईएडी) ऑपरेशन कहा जाता है। आइये जानते हैं क्या है सीड ऑपरेशन और सबसे पहले किसने इसका उपयोग किया था?

क्या है सीड यानी सप्रेशन ऑफ एनीमे एयर डिफेंस

इसका मतलब है हमला करके दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर देना जिससे भारत के लड़ाकू विमान पाकिस्तान में अंदर घुस कर हमला कर सकें और पाकिस्तान उन पर

हमला न कर सके। कई बार इसे डेड (डीईएडी) यानी डिस्ट्रक्शन आफ इनेमी एयर डिफेंसेज भी कहा जाता है। अमेरिका को सीड ऑपरेशन चलाने का काफी अनुभव है। मिसाइलों के खतरे से निपटना सीड ऑपरेशन का सबसे अहम लक्ष्य होता है सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एसएमएम) के खतरे को खत्म करना। जब यह खतरा कम हो जाता है लड़ाकू विमान आसानी से दुश्मन के क्षेत्र में घुस कर मनचाही जगह पर हमला कर सकते हैं। सीड का इतिहास द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन की वायु सेना ने लड़ाकू विमान के जरिये दुश्मन के एयर डिफेंस का पता लगाने और उसे नष्ट करने का पहला प्रयास किया था। लड़ाई के दौरान रडार, संचार, कमांड सेंटर और एयर डिफेंस को एक सिस्टम में एकीकृत करने में अपनी सफलता हासिल करने के बाद ब्रिटेन ने जर्मनी का इसी तरह का सिस्टम खोजने और उन्हें हराने के लिए यह रणनीति अपनाई।

सदर बाजार के व्यापारियों ने तिरंगा मार्च निकालकर पाकिस्तान के खिलाफ किया

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में 26 हिन्दू पर्यटक की निर्मम हत्या का बदला लेने के लिए भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान में चल रहे आतंकवादी अड्डों पर ऑपरेशन सिन्दूर के तहत सफलतापूर्वक आतंकवादी अड्डों को तबाह करके पर और इस कार्यवाही के समर्थन में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार 'ट्रेड्स एसोसिएशन (पंजी) के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव की अध्यक्षता में सदर बाजार के सैकड़ो व्यापारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कुतुब रोड चौक से भारतीय सेना के समर्थन में तिरंगा मार्च

निकाली। जिसके बाद फेडरेशन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ धरना एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा, राकेश यादव सतपाल सिंह मांगा, कमल कुमार, चौधरी युगेंद्र सिंह, दीपक मित्तल, राजकुमार गुप्ता सहित अनेक व्यापारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा जिस प्रकार भारत में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में चल रहे आंतकवादी के नौ ठिकानों पर हमला करके यह साबित करती है कि पाकिस्तान में आंतकवादी अड्डे बने हुए हैं। भारत में उनके जरिए आतंक फैलाने में पाकिस्तान पूरा सहयोग करता है। अब वक्त आ गया है संयुक्त राष्ट्रीय महासंघ (वठड)को पाकिस्तान को आंतकवादी देश घोषित करें। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा पाकिस्तान पूरी तरह बौखला गया है जिस प्रकार उसने जम्मू कश्मीर के पुंज के गुरुद्वारे में हमला करके वहां पर ग्रंथियां को मौत के घाट उतारा है यह बड़ी ही शर्मनाक बात है। इसको लेकर पूरे देश में रोष है।

अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर दिल्ली विधानसभा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिनोदे कुमार

दिव्य दिल्ला: दिल्ली विधानसभा में अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस 2025 के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे थैलेसीमिया रोगियों के लिए देखभाल, गरिमा और आशा से भरे भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने थैलेसीमिया से जूझ रहे रोगियों और उनके परिवारों की दृढ़ता की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा परिसर में नेशनल थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से आयोजित किया गया था।

मुख्य अतिथि के रूप में विधान सभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता उपस्थित थे। उनके साथ प्रमुख अतिथियों में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री हंसराज गंगाराम अहीर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विनीता श्रीवास्तव भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं डॉ. जे.एस. अरोड़ा एनटीडब्ल्यूएस के महासचिव उपस्थित थे। इस वर्ष की वैश्विक थीम थैलेसीमिया के लिए एक साथः समुदायों को एकजुट करना, रोगियों को प्राथमिकता देना के अनुरूप कार्यक्रम में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अपने संबोधन में विधासभा अध्यक्ष ने कहा, आज का दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि थैलेसीमिया की रोकथाम, जागरूकता और सहयोग के प्रति हमारे नवनिर्मित संकल्प का प्रतीक होना चाहिए। भारत थैलेसीमिया से सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक है, जहां 5 करोड़ से अधिक वाहक और प्रतिवर्ष अनुमानित 12,000 से 15,000 बच्चे थैलेसीमिया मेजर के साथ जन्म लेते हैं। अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण एकमात्र स्थायी उपचार है, लेकिन इसकी लागत अत्यधिक है और यह डोनर की उपलब्धता पर निर्भर करता है। परिणामस्वरूप अधिकांश रोगियों को आजीवन रक्त संक्रमण और आयरन की कमी को दूर करने वाली चिकित्सा पर निर्भर रहना पड़ता है, जिसकी वार्षिक लागत लगभग 2 लाख तक होती है।

अमेरिका की दो टूक, भारत के काउंटर अटैक को समर्थन; पाकिस्तान को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में अब इंटरनेशनल संज्ञान देखने को मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका यानी यूएसए की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने इस मामले में अपनी राय रखते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। हेली भारतीय जवाबी कार्रवाई का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर बड़ा बयान दे डाला

है।

निक्की हेली ने दिया बड़ा बयान

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने अपने ऑफिशियल एक्स पर एक लेटेस्ट पोस्ट में कहा- आतंकवादियों ने एक हमला किया जिसमें दर्जनों भारतीय नागरिक मारे गए। भारत को जवाबी कार्रवाई करने और खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है। पाकिस्तान को पीड़ित की भूमिका निभाने का अधिकार नहीं है। किसी भी देश को आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने की छूट नहीं है।। इस तरह से हेली ने पाकिस्तान के खिलाफ दो टूक बयान दे डाला है।

भारत ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को ब्लॉक करने का दिया आदेश

नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बीच भारत सरकार ने देश को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचना पर सख्त कदम उठाया है। बताया जा रहा है सरकार ने कई एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। प्रारम्भिक जानकारी के मुताबिक, भारत के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाले एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स के खिलाफ सरकार ने

बड़ा एक्शन लिया है। भारत सरकार ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। अभी विस्तृत विवरण का इंतजार है और इसकी पुष्टि होना बाकी है।

डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स, मोती नगर में एयर स्ट्राइक और गैस पाइपलाइन फटने की स्थिति पर आधारित मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

बिनोद कुमार

दिव्य दिल्ली : डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स, मोती नगर में एक उच्चस्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और राहत कार्यों का अभ्यास करना था। इस ड्रिल में एयर स्ट्राइक की सूचना प्राप्त होने के बाद बिल्डिंग गिरने और IGL गैस पाइपलाइन फटने जैसी गंभीर परिस्थितियों का सजीव प्रदर्शन किया गया। ड्रिल की शुरूआत नेशनल लेवल से एयर स्ट्राइक की सूचना के प्राप्त होने के साथ हुई, जिसे राज्य और ज़िला नियंत्रण कक्ष तक तुरंत पहुंचाया गया। सायरन बजाकर आपात

स्थिति की घोषणा की गई। घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे इंसिडेन्ट कमान्डर डॉ. नितिन शाक्य (SDM पटेल नगर) ने मौके पर पहुंचकर सभी आपातकालीन टीमों को निर्देशित किया। इस मॉक ड्रिल में दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, एलडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आपदा मित्र, आजीएल, सीएटीएस एंमबुलेंस, सेंट जॉन एंबुलेंस, अचार्य भिक्षु हॉस्पिटल समेत कई एजेंसियों ने भाग लिया और अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। ड्रिल में आपात स्थित में भवनों की आपातकालीन निकासी, घायलों को प्राथमिक उपचार और ट्रायजिंग, सुरक्षित क्षेत्र (अंबेडकर विश्वविद्यालय) तक स्थानांतरण, IGL पाइपलाइन आपातकालीन दल द्वारा रिसाव पर नियंत्रण, रिहायशी टावरों का रात्रि 8 बजे स्वैच्छिक ब्लैकआउट शामिल रहा। ड्रिल में शिवाजी कॉलेज, राजधानी कॉलेज, सेंट मार्टिन स्कूल के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने भी भाग लिया और आपदा प्रबंधन की बारीकियों को समझा। इस मैके पर एसडीएम पटेल नगर डॉ. नितिन शाक्य, ने कहा, ह्वइस मॉक ड्रिल का उद्देश्य जनता को सुरक्षित बनाना और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इसमें सभी एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397